CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ: २/१०

तबला मृदंग वादन पद्धति

भाग-1

७१

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

य-ग्रन्थालय
करौंदी, वाराणसी-५
आ: २/१०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

॥ श्रीराम प्रसन्न ॥

प्रेमलता शर्मा

संगीत गौरव ग्रंथमाला का नवम पुष्प

तबला-मृदङ्ग वादन पद्धति

भाग १

अ 32/10
आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

संग्राहक

स्वर्गीय पं. वादनाचार्य दत्तात्रय वासुदेव ऊर्फ गुरुदेवजी पटवर्धन,

और

स्वर्गीय पं. वादनाचार्य बलवंतराव वैद्य

संपादक

पं. विनायक नारायण पटवर्धन, सङ्गीतचूडामणि

पं. शिवराम दिनकर साठ्ये, तबलावादनपटू

प्रकाशक

श्री. नारायण विनायक पटवर्धन,

बी.ए. (ऑनर्स) भारतीय संगीत प्रवीण

सन १९४९] [मूल्य १॥ रु.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

अनुक्रमणिका

शास्त्र परिचय	पृ. १ से १०
मृदंग विभाग ठेके	पृ. ११ से १३
मृदंग चारताल विलंबित	पृ. १४ से २३
मध्यलय चारताल	पृ. २४ से २९
मृदंग आदिताल	पृ. ३० से ३८
तबला विभाग—बोल वजानेकी रीती	पृ. ३९ से ४१
तबलेके ठेके	पृ. ४१ से ४७
विलंबित तीनताल	पृ. ४८ से ६०
तीनताल मध्यलय	पृ. ६१ से ९६

प्रकाशकः—श्री. नारायण विनायक पटवर्धन,
बी.ए. (ऑनर्स) भारतीय संगीत प्रवीण.
४९५ शनवार तिमाले पर, ब्लॉक नं. ११ ए, पूना २.
मुद्रकः—स. रा. सरदेसाई, बी.ए., एल्एल्.बी.,
नवीन समर्थ विद्यालयका 'समर्थ भारत' छापखाना, ४१ बुधवार, पुणें २.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

प्रकाशक का निवेदन

आज पाठकोंके सामने 'तबला-मृदङ्ग वादन पद्धति' का अद्वितीय संकलन कृति भाग पहिला प्रस्तुत करते हुवे बडा हर्ष हो रहा है। इस पुस्तकमें स्व. वादनाचार्य पं. दत्तात्रय वासुदेव उर्फ गुरुदेवजी पटवर्धन एवं वादनाचार्य पं. बलवंतरावजी वैद्य, इन दोनो द्वारा संकलित किए हुए बोलोंके साधारपर २२५ बोल और २२ तालके ठेके दिये गये हैं। श्रीमान मिरज नरेश स्व. श्री. बाळासाहेब पटवर्धन आपके ओरसे स्व. पं. बळवंतराव वैद्यजीका बोलसंग्रह मेरे पिता पं. विनायकराव पटवर्धनजीको प्राप्त हुआ। इसके लयके दृष्टिकोन द्वारा योग्य ऐसा स्वरूप देने का कार्य तबला-वादन-पटु श्री. शिवराम दिनकर साठ्येजीने किया है। इस अमुल्य कार्यके लिये अपनी कृतज्ञता समर्पित करता हूं। और यह संकलित पुष्प ती. गु. पं. विनायकरावजी पटवर्धन तथा, श्री. शिवराम दिनकर साठ्ये, इन संपादक-द्वयोंने संपादितकरके मुझे प्रकाशित करनेकी अनुमति दी, इसलिये मै उनका भी शतशः आभारी हूं। इसी तरह मेरा छोटा प्रिय भाइ चि. रामचंद्र विनायक पटवर्धन इन्होंनेभी बोलोंको लेखन-पद्धतीमें लिखकर बडी सहाय्यता दी है इसलिये उनको आशिर्वाद रूपसे हार्दिक धन्यवाद देता हूं। इस संग्रह-कृतिके अन्य पुष्पभी प्रिय पाठकगणके सन्मुख उपस्थित करनेकी मेरी उत्कृष्ट इच्छा है। और आशा है उन्हे यथावकाश जन अनुमति द्वारा प्रकाशित कर सकूंगा।

अल्प समयमें पुस्तककी इतनी छपाई-सफाईके लिये समर्थ भारत छापखानाके प्रबन्धक श्री. स. रा. सरदेसाइकाभी म बहुत कृतज्ञ हूं। अन्तमें तालविषयक विद्यार्थियोंसे निवेदन हैं की उनकी सुविधास्तव पुस्तकको पाठ्यरूपम दिया हैं। आशा है वे इस संग्रहको अपना कर प्रकाशकका परिश्रम सफल करेंगे। अन्तमें परमेश्वरका चिन्तन कर प्रस्तावना समाप्त करता हूं।

भवदीय

हुताशनी,
दि. १४ मार्च १९४९.

नारायण विनायक पटवर्धन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वरलिपि के चिन्हों का संक्षिप्त परिचय

− लघु, एक मात्राः—धा (धा के नीचे −)

० द्रुत, आधी मात्राः—धा (धा के नीचे ०)

◡ अणुद्रुत, $\frac{1}{4}$ मात्राः—धि (धि के नीचे ◡)

अणु-अणुद्रुत, $\frac{1}{8}$ मात्राः—धि

अणु-अणु-अणुद्रुत, $\frac{1}{16}$ मात्राः—धि

ऽ उच्चारणः—ऽ ; ' विश्रांति '

सम, ताली और खाली

१—यह अंक ताल के आवर्तन की पहली मात्रा या सम के लिये। सम के अतिरिक्त जिस मात्रा पर ताली आती है उस मात्रा के नीचे उसी की संख्या का अंक दिया गया है। खाली के लिये + इस चिन्ह का प्रयोग किया गया है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबला मृदंग वादन पध्दाति

भाग १

शास्त्रपरिचय

गायन वादन और नृत्य इन सबमें तालकी आवश्यकता होती है। भारतीय सङ्गीतमें तालके लिये तबला या मृदंग का उपयोग किया जाता है। जैसे सुरीले स्वरमें गायन अच्छा लगता है उसी प्रकार लयमें गानेसे वह और भी अधिक प्रभावोत्पादक होता है। लयका विचार नीचे किया गया है।

लय-संगीतमें व्यवस्थित गतिको लय कहते हैं। अर्थात् गाते समय गाने की चाल (Speed) कम या अधिक न होते हुये एक ही प्रमाण चले तब उसका नाम लय होगा। लयके तीन मुख्य भेद हैं। द्रुत, मध्य और विलम्बित। बहुत धीमी लयको विलंबित और तेज लयको द्रुत कहते हैं। बीचकी लय अर्थात् न बहुत विलंबित और न बहुत तेजको मध्य लय कहते हैं। शास्त्रमें कहा भी है-" त्रयो लयास्तु विज्ञेयाः द्रुत मध्य विलंविता।"

मात्रा—लयके नापको मात्रा कहते हैं। मात्राके समयके सम्बंधमें लिखा गया हैं कि जितने समयमें स्वस्थ मनुष्य की नाड़ी एक बार चले वही एक मात्राका काल है। दूसरे एक ग्रन्थमें कहा गया हैं कि "चापस्तु वदते मात्राम्" अर्थात् चाप् पक्षी की आवाज़में जितना समय लगता हैं वही एक मात्रा है। साधारणतया एक मात्राका समय एक सेकण्ड माना जा सकता है।
ताल—मात्राओंके समूहको ताल कहते हैं। " सङ्गीत रत्नाकर " के अनुसार—

तालस्तल प्रतिष्ठायामिति धातोर्घञिः स्मृतः॥
गीतं वाद्यं तथा नृत्यं यतस्ताले प्रतिष्ठितम्॥

अर्थात्-ताल शब्द तल् (जिसका अर्थ है प्रतिष्ठायास्थिति) धातुमें घञ् प्रत्ययके योगसे बनता है। गायन, वादन, और नृत्य ये तीनों कलायें तालके

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आधार प्ररही स्थित हैं। तालके दस मुख्य अंग हैं। संस्कृत ग्रन्थोंमें कहा है—

"काल मार्ग क्रियांगानि ग्रह जाति कला लयाः ।
यति प्रस्तारकों चेति ताल प्राणा दशस्मृताः ॥"

१ काल—ताल देते समय दोनों हाथोंके संयोग और वियोगमें जितना समय बीतता है उसे "काल" कहते हैं।

२ मार्ग—मार्ग शब्दका मूल अर्थ है रास्ता। यहां इसका अर्थ है कि ताल किस रीतिसे देना चाहिये। तालके चार मार्ग कहे गये हैं। १ ध्रुव मार्ग, २ चित्र मार्ग, ३ वार्तिक मार्ग, ४ दक्षिण मार्ग।

३ क्रियां—ताल की क्रिया दो प्रकारकी होती हैं, एक सशब्द और दुसरी निःशब्द। इन दोनोंके भी चार-चार भेद हैं।

सशब्द प्रकार

अ—ताली लगा कर हाथ नीचे झुकानेको ध्रुव कहते हैं।

ब—दाहिने हाथसे बाएँ हाथपर ताली लगानेको शंपा कहते हैं।

स—दोनों हाथोंसे एक साथ आघात अर्थात् ताली बजानेको ताल कहते हैं।

द—दोनों हाथोंको सीधे ऊपर उठाकर हथेलीका भाग आमने सामने करके ताली बजानेको सान्निपात कहते हैं।

निःशब्द प्रकार

अ—केवल दाहिना हाथ नीचे झुकाने को आवाध कहते हैं।

ब—दाहिनी ओर हाथ एक सरीखा रखने को निष्काम कहते हैं।

स—हाथ ऊपर से नीचे करने को विक्षेप कहते हैं।

द—उपरोक्त तीनों क्रियाओंको करते-करते बीच में बन्द होने को प्रवेशक कहते हैं।

४ अंग—इसका अर्थ अवयव है। अंगों से या अवयवों से ही ताल बतलाया जाता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जाति—ताल में पांच जातिया होती हैं। १ चतस्र, जैसे चारताल; २ तिस्र, जैसे दादरा; ३ मिस्र, जैसे झुमरा; ४ खंड जैसे धमार; ५ संकीर्ण जैसे वर्णभिन्न।

६ कला—वाद्य किस रीतिसे बजांना और बजाते हुवे कौन से आसन से बैठना इसका नाम कला है।

७ लय—मात्रा गिनते समय दो अंकों के बीच में जो एक सरीखा समय रहता है उसे लय कहते हैं। लय के तीन भेद हैं:—द्रुत, मध्य और विलम्बित।

८ यति—लय अथवा गति दिखाने के नियमको यति कहते हैं। यतिके पांच प्रकार हैं—समा, गोपुच्छा, मृदंगा, पिपीलिका और स्रोगागता।

९ प्रस्तार—हरेक तालमें पहले ठेका, फिर बोल बजाकर दुगुन, सवाई, डेढ़गुणी, तिगुन और चौगुन में रेला लगाना, फिर मोहरा बजा कर जिस मात्रापर सम निश्चित की गई हो उस मात्रापर आना होता है। इस प्रकारके ताल विस्तार को प्रस्तार कहते हैं।

ताल और उनकी मात्राओंके खण्ड

मात्राओंकी संख्याके भेदसे और मात्राओके अलग-अलग ढंगसे खण्ड-पड़नेसे अनेक ताल निर्माण हुवे हैं। जिन तालों की मात्राएँ चारसे अधिक हों उनमें समसे खाली तक और खालीसे सम तक दो खण्ड पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त समसे ताली, तालीसे, दूसरी ताली या खालीतक, और खालीसे ताली तक तथा तालीसे सम तक इस प्रकार तालकी मात्राओंके अलग-अलग खण्ड पड़ते हैं। नीचे प्रचलित ताल, तालों की मात्राएँ और उनके खंड आदि एक कोष्टक बना कर दिये गये हैं।

हरेक खण्डकी मात्राओंका अनुक्रम

सं.	तालका नाम	खंड	मात्राओंका अनुक्रम	कुल मात्राएँ
१	तीन ताल विलंवित लय	४	४, ४, ४, ४	१६
२	तीन ताल मध्य लय	४	२, २, २, २	८
३	तीन ताल द्रुत लय	४	१, १, १, १	४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४	चुताली	४	१, १, १, १	४
५	दादरा	२	३, ३,	६
६	चार ताल या एक ताल	४	४, ४, २, २	१२
७	द्रुत एकताल	४	२, २, १, १	६
८	धमार	३	५, ५, ४	१४
९	झूमरा	४	३, ४, ३, ४	१४
१०	आड़ा चौताल	४	२, ४, ४, ४	१४
११	सवारी	४	३, ४, ४, ४	१५
१२	झपताल	४	२, ३, २, ३	१०
१३	सुरफाक्ता (सूल)	३	४, २, ४	१०
१४	मत्तताल	४	२, १, २, ४	९
१५	दीपचन्दी (विलंबित)	४	३, ४, ३, ४	१४
१६	दीपचन्दी	४	१॥, २, १॥, २	७
१७	तेवरा	३	३, २, २	७
१८	रूपक	३	३, २, २	७
१९	फरदोस्त	६	२, २, २, २, २, ४	१४
२०	केरवा	२	१, १	२
२१	गजल	३	३, २' २	७
२२	खेमटा	२	३, ३	६
२३	ख्याल (तिलवाड़ा)	४	४, ४, ४, ४	१६
२४	टप्पा	४	४, ४, ४, ४	१६
२५	अद्धा	४	२, २, २, २	८

नीचे जो चार ताल दिये गये हैं वे वर्तमान समय प्रचलित नहीं हैं। तथापि पाठकों के ज्ञान के लिये उन्हें यहां दिया जा रहा है।

२६	ब्रह्मताल	१०	१,३,४,६,७,८,१०,११,१२.१३	मात्रा १४
२७	निधिताल	७	१,५,७,११,१२,१४,१६	मात्रा १९
२८	रुद्रताल	११	१,२,३,५,६,७,९,१०,११,१२,१३	मात्रा १६
२९	हनुमानताल	८	१,३,४,५,७,८,९,१०	मात्रा ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुपद और धमार जैसे गीतों के साथ चारताल, धमार, झपताल, सुरफाक्ता आड़ाचौताल और तेवरा आदिताल इत्यादि बजाये जाते हैं। इन तालों का वादन प्रायः मृदंग पर होता है।

ख्याल, टप्पा, ठुमरी, त्रिवट और तराना आदि गीतों के साथ तबला बजता हैं। विलंबित लय में ख्याल के गीत होते हैं। उनके साथ तिलवाड़ा एकताल अथवा झूमरा आदि ठेके लगाये जाते हैं। यद्यपि ख्याल, टप्पा और ठुमरी इन तीनोंके गीतोंमें विलंबित लयके तीनतालका उपयोग होता है तथापि तीनोंके ठेकोंके बोलोंका वज़न अलग-अलग होनेसे ख्याल, टप्पा और ठुमरी का ढ़ंग अलग-अलग मालुम पड़ता हैं। गजल के गीत प्रायः सात मात्रा के रूपक ताल में गाये जाते हैं। खेमटा, केरवा और दादरा इन तालोंका प्रचार लोक-संगीत (mass-music) में अधिक हैं।

(सूचना—पूर्वोक्त तालों की सम और खाली जानने के लिये उनके ठेके देखने चाहिये।)

लयकारी के प्रकार

साधारणतया द्रुत या विरामको ग्रन्थोंमें मात्रा कहा है किन्तु यह मात्रा बहुत छोटी प्रतीत होती है। इस लिये वर्तमान समयमें लघुको ही एक मात्रा समझा जाता है। ठाह लय बहुत ही धीमे चलती है। उससे भी धीमी लयको अर्ध ठाह कहते हैं। आड़ी लयकी एक मात्रा ठाह लयसे $\frac{3}{2}$ गुना तेज रहती है। उदाहरणार्थ चार ताल के एक ध्रुपद (१२ मात्रा) के एक आवर्तमें यदि १२ सेकण्ड लगें तो उसकी आड़ी लयका आवर्त ८ सेकण्डमें होगा। जिस लयमें गीत चल रहा हो उससे दूनी लयमें गाना दुगुन या द्विगुन है। अर्थात् दुगुनमें १२ मात्राका उनावर्त ६ मात्रामें गाया जायेगा।

तिगुन ठाह लयसे तीन गुना तेज होती है। अर्थात् जितनी देरमें ठाय लयका एक बोल होगा उतनी ही देरमें तिगुनके तीन बोल होंगे। अर्थात् तिगुनका एक बोल ठाहके उसी बोलका $\frac{1}{3}$ होगा।

दुगुनकी दुगुन चौगुन ठाहसे चार गुना तेज रहती है। इसका एक बोल ठाहके उसी बोलका $\frac{1}{4}$ भाग होगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आड़ीकी आड़ीको कुआड़ी कहते हैं। इसका प्रमाण $\frac{२}{३}$ का $\frac{२}{३}$ अर्थात् $\frac{४}{९}$ रहता हैं। इस हिसाबके अनुसार १२ मात्राके एक आवर्त की आड़ ८ मात्रामें और उसकी आड़ अर्थात् कुआड़ $\frac{४८}{९}$ = $५\frac{३}{९}$ मात्रामें गाई जायेगी। कुआड़ी की आड़ी को बीराड़ी और बीराड़ीके अर्ध भागको पेचीदा कहते हैं। जहां तक हमें मालूम है आज कल ठाह, मध्य और द्रुत लयमें दुगुन तिगुन और आड़ी तक लोग गाते बजाते हैं, कुआड़ी और बिराड़ी इस समय प्रचारमें नहीं हैं। किसी समय अवश्य ताल-विषयके विशेषज्ञोंमें इनका उपयोग किया जाता रहा होगा। ग्रन्थोंमें जिस प्रकार कुआड़ और बिराड़ आदिका वर्णन आता है वैसा प्रत्यक्ष करके दिखाना बहुत कठिन काम है। यहां पाठकोंके सामान्य ज्ञानके लिये इनका उल्लेख किया गया हैं।

मृदङ्ग और तबला

तालके सबसे प्रधान वाद्य हैं मृदंग और तवला। इनमें से मृदंग या पखावज बहुत प्राचीन वाद्य है और तबले का आविष्कार चौदहवीं या पंद्रहवी सदी में मुसलमानी जमाने में हुवा। मृदंगकी भाषा (बोल) के आधार पर ही तबले के बोलों की रचना की गई। तथापि मृदंग और तबला बजाने के ढंगमें बहुत अंतर है। तबले और मृदंग में एक बड़ा भेद यह है कि मृदंग में दायां और बायाँ अलग-अलग न होकर दोनों का आकाश एकही होता है। और इस कारण उसकी आवाज़ अधिक गंभीर व मधुर होती हैं। मृदंग में एक ओर बजाने से दूसरी ओर स्वयं गूंज उत्पन्न होती है। किन्तु दायां और बायाँ अलग-अलग होने से तबले में ऐसी गूंज निकल सकना संभव नहीं हैं। इन दोनों वाद्यों में दूसरा अन्तर यह है कि मृदंग पंजेसे बजाया जाता है और तबले के बोल उंगलियों से बजते हैं। इस सामान्य नियमके अपवाद-स्वरूप कोई कोई बोल मृदंग में भी उंगलियों से और तबले में भी पंजे से बजाये जाते हैं।

मृदङ्गके बोल निकालने की रीति

मृदंग और तबले की दाहिनी पूड़ी पर बोल निकालने की तीन जगह हैं चाट, लवस्थान व मध्यस्थान। दाईं ओर काठ पर चढ़े हुवे पूड़ी के

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

किनारे का नाम " चाट " है। स्यायी और चाट के बीच की जगह को " लवस्थान " कहते हैं। पूड़ीपर चढ़ी हुई स्याही के बीच की जगह " मध्यस्थान " कहलाती है।

थाप—मृदंगकी थाप बजाने के लिये स्यायी के उपरवाले आधे भाग पर सब उंगलियां मिला कर पंजा मारना चाहिये और मारते ही हथेली का कनिष्ठिका की ओर वोला भाग स्याही किनारे पर रहजाना चाहिये।

खुले वोल—जिन अक्षरों से स्वर या आस निकलती है उन्हें ' खुले बोल ' कहते हैं।

वन्द् वोल—जिन बोलों को बजाने के बाद स्वर या आस नहीं निकलती उन्हें " वन्द बोल " गहते हैं।

मृदङ्गके वोल

मृदंग पर बजने वाले मूल सात अक्षर हैं—ता, दिन्, ना, कि, ट, घि, कत्।

पहले तीन बोल दायें पर बज़ने वाले खुले बोल हैं। 'ता' थाप की तरह बजता ह। मध्यमस्थान में पंजा मारतेही उठाने से 'दिन्' बजेगा। चाट पर तर्जनी उंगली से 'ना' बजाया जाता हैं।

'कि' और 'ट' दायें के बन्द बोल हैं। 'कि' पंजे के निचले अर्थात् कनिष्ठिका की ओंरवाले भागसे दबा कर बजाई जाती है। 'ट' पंजे के ऊपरसे अर्थात् अंगुठे की ओरवाले भाग से बजाना चाहिये। ध्यान रहे कि 'कि' बजाते समय पंजेका ऊपरला भाग और 'ट' बजाते समय पंजेका निचला भाग पूड़ी को स्पर्श न करे।

'घि' बायें का खूला बोल है। अपनी ओर आटे के थोड़ा ऊपर पंजे का आधा भाग मारते ही उठाने से बजता है।

'कत्' बायें का बन्द बोल है। बाहरकी ओर अर्थात् आठसे कुछ आगे की ओर उंगलियां करके बन्द पंजी मारनेसे बजता हैं।

मृदङ्गके विस्तारके बोल

ऊपर मृदंगके मूल सात अक्षरोंका विवरण दिया गया है। अब यहां मृदंगके विस्तारके बोलोंका वर्णन करेंगे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दायां—	किट	क	दि	न
बायां	त	ग	ग	तिट

दायेंका बोल 'किट' पहलेही बतला चुके हैं। 'तिट' और 'तिरि' यह दोनों बोल भी इसी तरह बजेंगे। जब 'किट' का पहला अक्षर (कि) दोनों हाथोंसे अर्थात् दायें और बायेंसे एक साथ बजाया जाता है तब इसके निम्न उच्चारण होते हैं—'घिट', 'घिरि' और 'घिट'।

'किट' एक और तरहसे भी बजाया जाता है। वह ऐसे कि 'बायेंके बंद बोल 'कत्' की तरह 'कि', और दायें पर बन्द बजने वाली 'कि' की तरह 'ट' बजता है। 'किड', 'कत' और 'तक' भी इसी तरह बजते हैं।

'तक'–इस बोलका 'त' बायें पर बजनेवाले 'कत्' की तरह और 'क' बजानेके लिये दायें पर थाप मारनी चाहिये। इसी प्रकार बजानेवाले दूसरे बोल यह हैं—'का', 'डा', 'ग', 'त', 'ता'। इस बोलको दोनों हाथोंसे अर्थात् दाईं ओर 'क' और बायेंपर 'घि' एक साथ बजानेसे 'धा' बजता है।

'ग दि' बायेंपर बजनेवाले 'घि' की तरह 'ग' बजेगा इसी तरह बजनेवाले दूसरे बोल यह हैं–'घू', 'घो', 'दि' और 'घी'। दूसरा 'दि' दायेंपर पंजा मारते ही उठा लेनेसे बजेगा। इसी तरह बजानेवाले दूसरे बोल यह हैं–'धोन्', 'तिन्'। 'दि' दोनों हाथमेंसे अर्थात् दायेंपर 'दि' और बायेंपर 'घि' एक साथ बजानेसे इसका उच्चारण 'धीन्' और 'धोन्' होता है।

'गन'–'ग' बजाने की रीति ऊपर लिखी जा चुकी है। सब उंगलियां मिलाकर दायें के मध्यमस्थान में बजाने से 'न' बजेगा। 'न' की तरह बजने वाले दुसरे बोल यह हैः—'त', 'क', 'ट', 'ड़' और 'दी'।

तिट–बायें पर बन्द बजने वाले 'ट' की तरह 'ति' बजती है। 'कि', 'त', 'ड़', 'क', 'तत्', 'दिन्' ये सब अक्षर भी इसी तरह बजते है। इनमें 'तत्' और 'तित्' भी बजते हैं तो वह 'ति' की तरह ही हैं, अन्तर यह है कि 'ति' हलके हाथसे बजती है और 'तत्' और 'तित्' जोरसे बजाये

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जाते है। 'ट' दायें पर वन्द बजने वाली 'की' की तरह बजेगा। इस बोल (तिट्) का पहिला अक्षर 'ति' दोनो हाथों से, अर्थात् दायें पर 'ति' और बायें पर 'घि' एक साथ बजाने से उसका उच्चारण 'धिट' होता है।

दायां–न ना न तृ क धा

बायां– धा

ननान–मध्यमा, अनामिका और कनिष्ठिका मिला कर चाट पर 'न', फिर केवल तर्ज़नी से इसी ज़गह 'ना', और अगला 'न' पहले 'न' की तरह ही बजेगा। 'ननान' की तरह ही 'तरान' भी बजता है। ज़ब दुसरे बोलों में इस तरह बजने वाला 'न' अकेला आज़ाय तब वह तीनों उंगलियों की ज़गह केवल तर्ज़नी से बजेगा। जब दो 'न' इकट्ठे आ ज़ायें तब भी केवल तर्ज़नीसे ही प्रायः बजाये ज़ाते हैं।

तृक–दायें पर वन्द बजने वाले 'किट' की तरह 'तृ' बजता है। किन्तु यह बोल बहुत जल्दी बजाना चाहिये क्योंकि एक अक्षर (तृ) के समय में दो अक्षर (किट) बजाये जाते हैं और उच्चारण केवल एक अक्षर (तृ) का ही होता है। दूसरा 'क' दायेंपर वन्द बजानेवाली 'कि' की तरह बजता है।

धा–यह बोल बजानेके लिये दायेंपर थाप और बायेंपर 'घि' एक साथ बजाई जाती है।

ऊपर दिये गये मृदंगके सब बोल और उनके बदले हुवे बोल भली भांति समझ लेने परही आगे दिये गये बोल ठीक तरहसे बजा सकना संभव होगा।

मृदङ्ग और तबला मिलानेकी रीति

मृदङ्ग और तबलेके दायेंमें सोलह-सोलह घर होते हैं। इनमें प्रायः चमड़े की (कभी कभी रेशम या सूतकी) बद्धी रहती है। पहले एक घर को फिर दाहिनी ओरके उससे अगले घरको स्वरमें मिलाना चाहिये। इससे और सब घर शीघ्र ही मिल जाएंगे। सबके सब घर एक ही स्वरमें मिलाने चाहिये। दायां मिल जानेपर बायेंको एक सप्तक नीचे उसी स्वरमें मिलाना चाहिये। मृदंगके बायेंपर आटा लगाया जाता है। स्वर नीचा करनेके लिये

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

आटा अधिक लगाना चाहिये, और ऊँचा करनेके लिये आटा कम करना चाहिये।

तबला- जोड़ीमें बायेंको डग्गा और दायेंको तबला कहते हैं। तबलेके बायेंपर स्यायी चढ़ी होती है। कहीं-कहीं आटा भी लगाया जाता है।

कुछ पारिभाषिक शब्दोंकी व्याख्या

ठेका-जब कोई ताल, वर्ण उच्चारके अक्षरोंसे हर एक मात्रामें बांधा जाता है, और उसका जहां एक आवर्त पूर्ण होता है, उसको ठेका कहते है।

परन-संपूर्ण बोल, समसे या किसी मात्रासे शुरू करके वे तीन आवर्तन बजना चाहिये तिसरी आवर्तनका अखेरका [धा] समपर आना चाहिये उसको परन कहते हैं। मुख्य परनाका नामः-(१) साथपरन, (२) ताल-परन, (३) बोलपरन, (४) गतपरन ऐस उसके नाम होते है।

रेला-एक मात्रामें आठ अक्षर मध्यलयमें बजावे उसको रेला कहते हैं।

मोहरा-बोलमेसे कुछ अक्षर तीन वक्त बजाकर समपर आना उसको मोहरा कहते है।

साथ-गानके लयकारीमें उसी लयकारीसे बजाना उसको साथ करना कहते है।

बदला हुवा ठेका-जो ठेका बजता है उसीमे बदलते हुवे शब्दको पहले ठेकेके समान बजाना उसको बदला हुवा ठेका कहते है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मृदंग-विभाग

झपताल मात्रा १० ताली १-३-८ पर खाली ६ मात्रापर

१ धा ऽ धा गि कि ट कि ट धा कि ट |
१ ३ + ८

गत

२ धा गि कि ट त क ग दी ग न ना गि कि ट त क ग
१ ३ + ८
दि ग न |

३ धा कि ट धा कि ट धा धा कि ट धु म कि ट त क ग
१ ३ + ८
दी ग न |

मोहरा

४ कि ट त क ग दी ग न धा ग दी ग न धा ग दि ग न |
१ ३ + ८

५ कि ट धा कि डा ऽ न धा कि डा ऽ न धा कि डा ऽ न |
१ ३ + ८

धमार मात्रा १४ ताली १-६-११ खाली ८ मात्रापर

१ त धी ट धी ट धा ऽ त कि ट कि ट ता ऽ |
१ ६ + ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत

२ धा कि ट धा धा कि ट त कि ट ग दि ग न धा कि ट |
– – – – – – – – ० ० ० ० ० ० – – –
१ ६ + ११

३ धा धी ट धी ट कि ट धा कि ट त क ग दि ग न धा
– – – – – ० ० – ० ० ० ० ० ० ० ० –
१ ६ + ११

घि डा ऽ न |
० ० ० ०

मोहरा

४ कि ट त क ग दि ग न धा कि ट त क ग दि ग न धा
० ० ० ० ० ० ० ० – ० ० ० ० ० ० ० –
१ ६ +

कि ट त क ग दि ग न |
० ० ० ० ० ० ० ०
११

सुरफाक्ता (मूलताल) मात्रा १० ताली १–५–७ पर खाली ३–९ पर,

१ धा धा दिं ता कि ट धा कि ट त क ग दि ग न |
– – – – ० ० – ० ० ० ० ० ० ० ०
१ + ५ ७ +

दूसरा ठेका

२ धा धि न न क धी धि न न क कि ट त क ग दि ग न |
– ० ० ० ० – ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
१ + ५ ७ +

तेवरा मात्रा ७ ताली १–४–६ पर

१ धा दिं ता कि ट त क ग दि ग न |
– – – ० ० ० ० ० ० ० ०
१ ४ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत

२ क त गि धि ती ट क त क त गि घि ति ट |
१ ४ ६

३ त क धि कि ट त क धु म कि ट त क |
१ ४ ६

मोहरा

४ ग दी ग न धा ग दि ग न धा ग दि ग न |
१ ४ ६

मत्तताल मात्रा ९ ताली १–३–४–६–७–८ खाली २–५–९ पर

धा कि ट धा दिं ता क्कि ट धा दिं ता ति रि कि ट त क ता
१ + ३ ४ + ६ ७

कि ट त:क ग दि ग न |
८ +

दूसरा ठेका

धा धि न न क धि न न क ति·ट क त ग दि ग न |
१ + ३ ४ + ६ ७ ८ +

फरदोस्त मात्रा १४ ताली १–३–५–७–९–११ पर

धा गी ति रि कि ट ता गि ति रि कि ट ति त्ता ति रि कि ट
१ ३ ५

धी न ना धी न धी न ना धा गि न ग धि न |
७ + ९ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सवारी मात्रा १५ ताली १–४–८–१२

धा घि डा ऽ न धा घि डा ऽ न धा धी ट धि रि कि ट कत
१ ४ ८

ति टी घि ड न ग ति रि कि ट त क ता ग दि ग न धा क
१२

त ग दि ग न।

मृदंगका चारताल (विलंबित लय)

मोहरा

धा गी की ट ग दि ग न क त्ता ग दि ग न धा क ति ट ता
१ + ५

गी न कि डा ऽ नु कि ड न क धा ग न धा ग न गि गि दिं
+ ९ ११

गी गी द्रीं गी गी।

ठेका १

धा धा द्रीं ता कि ट धा द्रीं ता कि ट त क ग दि ग न।
१ ५ + ९ ११

बदला हुवा ठेका २

धा धा द्रीं ता कि ट त क ग दी ग न धा द्रीं ऽ ता ' धा दीं
१ ५ + ९

ता कि ट त क ग दि ग न।
११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बदला हुवा ठेका ३

धा धा दीं ता कि ट त क ग दि ग न धा दीं ऽ ता ' धा धां
१ ५ + ९

धीं ता धीं ऽ ता | ऽ कि ट त क ग दि ग न धा क डा ऽ नु धा
११ १ ५

कि ट त क ग दि ग न धा क डा ऽ नु धा कि ट त क ग दिं
+ ९

ग न धा क डा ऽ नु |
११

बदला हुवा ठेका ४

धा धा दीं ता कि ट त क ग दि ग न धा दीं ऽ ता ' दीं ता
१ ५ + ९

कि ट त क ग दी ग दी | ग न धा कि ट त क ग दि ग न
११ १

धा कि ट त क ग दी ग दि ग न धा कि ट त क ग दि ग न
५ +

धा कि ट त क ग दी ग दि ग न धा कि ट त क ग दिं
९ ११

ग न |

बदला हुवा ठेका ५

धा धा दीं ता कि ट त क ग दि ग न धा दीं ऽ ता कि ट
१ ५ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त क धीं कि ट त कि ट त क ति री कि ट धा कि ट त क
५
धी कि ट त कि ट त क ति री कि ट धा कि ट त क धी
११
कि ट त कि ट त क ति री कि ट।

साथ ६

धा गी ति ट ग दि ग न ना गि कि ट ग दि ग न धा गि
१ ५
कि ट त क त क ग दि ग न धा गि कि ट त कि ट त गि
\+ ९
न धा गि ति ट क त ग दि ग न।
११

साथ ७

धा कि ट धा कि ट त क ग दि ग न धा तीं धा कि ट त कि
१ ५ +
ट त का कि ट त कि ट त का धु म कि ट त क ग दि ग न।
९ ११

साथ ८

धा गि कि ट कि ट त क धि कि ट त क धि कि ट धि कि ट
१ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त क धि कि ट त क दि धी कि ट त क त क दि धी कि ट
+ ९

धु म कि ट त क ग दि ग न |
११

साथ ९

त कि ट त का कि ट त कि ट त का कि ट त कि ट धि कि
१ ५

ट त क त कि ट त का कि ट त कि ट त का धु म कि ट
+ ९ ११

त क ग दि ग न |

साथ १०

धु म कि ट धु म कि ट त कि ट त का कि ट धु म कि ट
१ ५

धु म कि ट त कि ट त का कि ट त कि ट त का धु म कि ट
+ ९ ११

त क ग दि ग न |

साथ ११

धा गि ति ट त क थों गा ति र कि ट त क ता कत् धा की
१

ट क ऽ त क ति र कि ट त क ता क त क धु म कि ट त
५ + ९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क ग दि ग न धा कि ट धा कि ट त क ग दि ग न |
११

साथ १२

धा कि ट त क घी कि ट धी ट ता ति र कि ट त क ता क
१
धि ट ऽ ता क ड घे ऽ त्ता ति ट क त ग दि ग न घे त
५ +
घे ऽ ता त का थुं गा तत् ति र कि ट त क ता ति ट क त
९ ११
ग दि ग न |

साथ १३

धा धा कि ट ग दि ग न धा गि कि ट धा गी कि ट ग धि
१
ग न धा की ट त कि ट त गी न न गी न न ग ति ट धि
५
डा ऽ न धा कि ट त कि ट त क दी धी कि ट घि डा ऽ
+
घी न धा ऽ घी न ऽ ता ऽ ड धा ता धा ऽ धा तत् धि त
९ ११
कि ट त क ग दि ग न |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साथ १४

ति र कि ट त क ता क धि र कि ट त क धि कि ट त क
१

थों ऽ गा त कि ट धी कि ट त क त कि ट कि ट त क धि
५ +

कि ट कि ट त क धीं त रा ऽ न ग दि ग न न ग धि री
९

कि ट त कि ट त क त कि ट धि कि ट धा ऽ न ।
११

साथ १५

धा गी ति र कि ट त क ता ऽ न धी ता गि धी ति ट ति र
१

कि ट त क ता क ता क त धि ऽ ता कि ट त क ग दि ग न
५ +

धा कि ट धा कि ट धा धा कि ट कि ट धि ति री कि ट त
९ ११

क थों कि ट त क ग दि ग न ।

साथ १६

ना गि ति ट क त कत् ति टी घि डा ऽ न घि ड न ग्रा धि रि
१

कि ट धा गी दि गी ना गि ति ट थुं कि ट धा कि डा ऽ न
५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ड न ग ति रि कि ट ग दि ग न घा गी तीं त क तत् कि
+ ९

ट त क तत् धि री कि ट त क थों गा ग दि ग न धा ग दि
११

ग न धा ग दि ग न |

साथ १७

धा गी न धा गी ति ट क त त कि ट क त क त गि घि ती
१

ट क त गि घि ति ट धा गी ति ट घी ना ऽ न गी धी ना ऽ न
५

घि ना ना घि न ऽ धा कि ट धा धा कि ट गि घि ना त क
+ ९

दी धी कि ट गि घी ना घिं त रा ऽ न ति र कि ट घिं त रा
११

ऽ न धा त रा ऽ न |

गतपरन १८

धा कि ट त गी न धा धा कि ट कि ड धा कि ट धा कि ट
१ ५

धा ग दि ग न धा की ट त कि ट त गी न धा ग दि ग न
+ ९

घा की ट त गि न धा ग दी न दी न | ना ना ति ट क त
११ १

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग दी ग न धा क्कि ट धा ति ट क त ग दी ग न धा क्कि ट
५
धा ऽ न धा क्कि ट त क ग दि ग न धा क्कि ट धा ऽ न
+ ९
धा क्कि ट त क ग दि ग न धा क्कि ट धा ऽ न।
११

गतपरन १९

त क त का ऽ न गी घि ऽ ता ऽ न धी ता गी घि ना क त
१
घिं ता क डा ऽ न धा की ट धी ट धी ट क्कि ड धा क्कि ट
५ +
धा ग दि ग न धा धी री क्कि ट घि डा ऽ न धा धि री क्कि ट
९ ११
घि डा ऽ न धा धि री की ट घि डा ऽ न।

गतपरन २०

धि रि क्कि ट त क धे ऽ ता कत् धी ता गी धी ती ट ति री
१
क्कि ट त क ता ऽ कत् धि री की ट त क धि क्कि ट घिं त
५ +
रा ऽ न धा घीं त रा ऽ न धा घीं त रा ऽ न।
९ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन २१

धा कु त कु ड धी तृ कु धी कु त गी घी ती ट क ड धी धी
१

री कि ट त कु धी ता ग दि ग न न ग ति ट घी न घी न
५

ग दि ग न धा गी ति ट क ता ऽ न कि ड न क ति री की ट
+

त क ता गी न धा की ट धा गी न धा धा ग दि ग न त
९ ११

ग दि ग न धा ग दि ग न धा ग दि ग न।

गतपरन २२

कि डा ऽ न कि ड न क ति र कि ट त क त क त कि ट क
१

त क ती ट त कु त कु धी की ट क त क ती ट कि ट त क
५

ग दि ग न न ग ती ट धा ति र कि ट त क ता ति ट क त
०
+

ग दि ग न न ग ति ट धा ति र कि ट त क ता ति ट क त
९ ० ११

ग दि ग न न ग ती ट।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन २३

कु ती ट गि घि ति ट त क थुं ऽ धु म कि ट त क ग दी ग न
१

धा त की ऽ न धा ग दी ऽ क ऽ त धा ति ट क त ग दि ग
५ + ९

न धा ति ट क त ग दि ग न धा ति ट क त ग दि ग न।
११

रेला २४

धा ति री कि ट त क ता ति रि की ट त क ति रि कि ट
१

त क ता ति ट क त ग दि ग न धा ति ट क त ग दि ग न
५

धा ति री कि ट त क ता ति ट क त ग दि ग न धा ति रि
+

की ट त क ता ति ट क त ग दि ग न धा ति री की ट
९ ११

त क ता ति ट क त ग दि ग न।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेला २५

यह रेला समसे समतक तीनदफा बजाना चाहिये।

धा कि ट त की ट त का कि ट त की ट त का कि ट त क
१

धु म कि ट त क ग दि ग न ३ |

रेला २६

यह रेला समसे समतक तीनदफा बजाना चाहिये।

धा कि ट क त क ती ट त की ट क त क ती ट त क धु म
१

कि ट धु म कि ट त क ग दि ग न ३ |

मध्यलय चारताल

धा धा दीं ता कि ट धा दिं ता कि ट त क ग दि ग न |
१ ५ + ९ ११

बदला हुवा ठेका

धा धा दीं ता धा दीं ता कि ट कि ट त क ग दि ग न |
१ ५ + ९ ११

साथ ३

धा कि ट त गी न धा की ट त गी न धा धा कि ट ग दि
१ ५ + ९

ग न न ग ती ट |
११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साथ ४

धा धा कि ट त क त क त की ट त गी न धा ग दि ग न
१ ५ + ९

धा ग दि ग न |
११

साथ ५

त की ट त का कि ट त क दी धी कि ट ग दि ग न धा
१ ५ + ९

घि डा ऽ न |
११

साथ ६

धा गी की ट त क धु म कि ट त क की ट त क थों ती री
१ ५ + ९

की ट त क त क ति ट क त ग दि ग न |
११

साथ ७

धा गी की ट त क ग दी ग न धा गी ती ट क ता ऽ न धा
१ ५ +

ग दि ग न धा की ट त क ग दि ग न |
९ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साथ ८

की ट की ड धा ऽ न धा तृ क घी की ट घी ट धा गी ती ट
१ ५ + ९

क त ती ट क त ग दि ग न।
११

साथ ९

कि ड धा ऽ न धा ग ऽ दि ग न ना गी ती री की ट त क ता
१ ५ +

कि ड न ग कि ट त क ग दि ग न।
९ ११

साथ १०

त क डा ऽ न घी री की ट त क घी कि ट धा की ट घी ट
१ ५ +

घी ट कि ट कि ड धा ऽ न धा न।
९ ११

साथ ११

धा गी ती ट धा गी ती ट ता गी ती ट ता गी ती ट कि ड
१ ५

धा की ट घी ट ऽ ता गी न धा ग दि ग न धा ग दि ग न
+ ९

न ग ती ट धि डा ऽ न।
११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साथ १२

ती टी क त ग दि ग न न ग ती ट क त क धी की ट
१ ५

धु म कि ट त क ग दि ग न न ग ती ट त की ट ता गी न
\+ ९

धा गी ती ट क त ग दि ग न।
११

साथ १३

त क धु म कि ट त क ग दी ग न धा गी ती ट त की ट
१ ५

क त क ती ट ग दि ग न ग दि ग न धा गी ती ट त क
\+ ९

धु म कि ट त क ग दि ग न।
११

साथ १४

ना गी ती ट क त क ती ट क त ग दि ग न धा की ट क ऽ
१ ५

त क त ग दि ग न न ग ति क त ग दि ग न न ग ति ट
\+ ९ ११

क त ग दि ग न।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साथ १५

धा की ट धा की ट त क धि की ट त गी न धे ता ग दि
१

ग न न ग ना ना ती ट क त क त क ती ट त गी न धा
५ + ९

गी ती ट कि ड धा की ट धा की ट धा ऽ न |
११

साथ १६

ता ऽ न धा ता ऽ न धा कि ट त क ता न ता ऽ न कि ट त
१ ५ +

क दी न दी ऽ न धा गी ऽ ता ऽ न धा धी ता क ता ऽ न |
९ ११

साथ १७

कि ट क त ऽ त घीं त रा ऽ न धा दीं ता थुं थुं कि ट त क
१ ५

ग दि ग न धा ग दि ग न धा गी ती ट क ता ऽ न धा ग
+ ९

दि ग न धा कि ट त क ग दि ग न |
११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन १८

त क धु म क्कि ट त क ग दि ग न न ग ती ट कि ड
१ ५

धा की ट त की ट क त क ती ट ग दि ग न धा ग दि
+ ९

ग न धा ग दि ग न ।
११

गतपरन १९

धि री की ट त क धे ऽ ता कत् ति री की ट त क त क
१ ५

ति ट क त ग दि ग न घि डा ऽ न धा घि डा ऽ न धा
+ ९ ११

घि डा ऽ न ।

गतपरन २०

ग दि ग न धा घि डा ऽ न धा त क धि की ट त क धि
१ ५

री की ट घि डा ऽ न धा धि री की ट घि डा ऽ न धा धि री
+ ९ ११

की ट घि डा ऽ न ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन २१

धी ता धा ती ना कि ड ना त क धु म कि ट त क धा
१ ५ +

त क धु म कि ट त क धा त क धु म कि ट त क।
९ ११

गतपरन २२

त की ट कि ट त की ट त का धा घि डा ऽ न धा घि न क
१ ५

त ग दि ग न धा धि न क त ग दि ग न धा धि न क त
+ ९ ११

ग दी ग न।

आदिताल अर्थात् तीनताल (मध्यलय)

मात्रा १६ ताली १-५-१३ पर खाली ९ पर, जब यह ताल मध्यलयमें बजाया जाता है तब इस तालकी ८ मात्रा गिननेका प्रचार है, ताली १-३-७ पर और खाली ५ पर आती है।

नीचे दिया हुवा ठेका और उसके बोल मध्यलयमें है।. यही ठेका विलंबित लयमें बजाना हो तो इस ठेकेमें जहां आधी मात्रा है वहां एक मात्रा करनेसे यह ठेका सोलह मात्रामें आ सकेगा।

ठेकाः—धा की ट धा गि धि ट धा क ति ट ता गि धि ति ट।
१ ३ + ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१ मोहरा:—ति रि क्कि ट त क ता क त धिं ऽ ता ति ट
१ ३
क त ग दि ग न धा ति ट धा ति ट धा धा ति ट
+
ति ट धि ति री क्कि ट त क थुं ति ट क त ग दि ग न।
७

२ क्कि ड ना क ति ट धी की ट ग दी ग न धा की ट
१ ३ + ७
धा की ट।

३ क्कि ड धा कि ट धु म कि ट ग दी ग न ना ना ति ट
१ ३
त की ट धी की ट त क दि धि कि ट घि डा ऽ न।
+ ७

४ धु म कि ट त क्कि ट त का कि ट धु म कि ट त कि
१ ३ +
ट त का ति ट क त ग दि ग न।
७

५ कत् क्कि ड धेत् ऽ ता कत् ति रि कि ट त क ता कत्
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग दि ग न न ग धे ऽ त्ता कत् ति रि कि ट त क ता
+ ०

कत् ति ट क त ग दि ग न ।

६ ग दि ग न धा तृ क धे ऽ ता कत् ति ट क त घिं
१ ३

त रा ऽ न ता धि की ट ति रि कि ट त क ता ति ट
+ ०

क त ग दि ग न ।

७ कि ड तत् ऽ धे ऽ ना तक् क त क थुं ति रि कि ट
१ ३

ग दि ग न त क ता ऽ न धा गि ति रि कि ट त क
+ ०

ता ऽ न धा ता ।

८ गि घि ता गि घि ता घि डा ऽ न धा थुं तक् क्डांन्
१ ३ +

धा तक् क्डांन् धा तक् क्डांन् ।
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

९ क्डि ट धा क्डि ट त ऽ क त क थुं थुं गा धे त्ता क्डि ट
१ ३ +

क्ड धे ऽ ता क्डि ट ति रि क्डि ट त क ता ति ट क त
७

ग दि ग न |

१० घिं ति रि क्डि ट त क ता धेत् ऽ धेत् ऽ त गि घि त गि
१ ३

घि त घि डा ऽ न धा थुं ऽ धा तकू वड़ान् |
+ ७

११ क्डि ड न ग ति ट क त घि न त क ग दि ग न न ग
१ ३ +

ति ट क त घि न क त ग दि ग न धा गि | ति ट
७ १

क त घि न क त ग दि ग न धा ग न धा ग दि ग न
३ +

दि ग ता ग ति ट क त ग दि ग न |
७

१२ त क त का ऽ न धि गि ता ऽ न धि त्ता गि घि ना
१ ३ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizaqtion by eGangotri

कत घिं ता क्डां ऽ धा | ऽ धा कि ट ता गि न धा दिं
७ १ ३

ऽ ता कि ट त कि ट त का कि ट त क ग दि ग न |
\+ ७

१३ धा गि ति ट कि ड घे ऽ त्ता क ति ट ता गि न धा गि
१ ३

ति रि कि ट त क ता ति ट क त ग दि ग न |
\+ ७

१४ कि ड धा कि ट धा गि ति ट ग दि ग न न ग ति ट
१ ३

क ति ट ता गि न धा गि ति ट क त ग दि ग न |
\+ ७

१५ धि कि ट ता गि न धि कि ट ता गि न धि कि ट ता
१ ३

ग दि ग न धा ऽ न ति ट क त ग दि ग न |
\+ ७

१६ क त क त गि घि ति ट गि घि ति ट क त क त
१ ३

त कि ट ता गि न धा ग दि ग न धा ग दि ग न |
\+ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

१७ धा त क थुं गा धा ग दि ग ता धा दिं ता धि त्ता
१ ३ +

किट धा त क्का थुं गा त कि ट त क्का ति ट क त
०

ग दि ग न |

१८ त क धु म कि ट त क ग दि ग न दि ग ता क ति ट
१ ३

क त ग दि ग न दि ग ता क ति ट क त त कि ट त
+

क्का कि ट त क त क धु म कि ट त क धु म कि ट
०

त क ग दि ग न न ग ति ट |

१९ धा ति रि कि ट त क ता गि ति रि कि ट धेत् त गि
१ ३

ऽ न्न धे त्ता कत् घिं ति रि कि ट त क थुं ति टि क त
+

ग दि ग न धा गि ति ट ति रि कि ट त क ता |
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२० धा गि ति ट क त किं ड धेत् ता गि ति रि कि ट
१

त क ता क ति ट ता गि न न ग ति ट कि ड धे
+ ७

ऽ त्ता ऽ न।

२१ धि ट ता गि ति रि कि ट धि कि ट ता गि न धा ग
१

घि न ना ना ति ट घि दि कत् ति रि कि ट धी कि
२ +

ट ता गि न धा गि ति ट त क थुं गा तक्र कि ट कि ड
७

धा कि ट त क धा तृ क धि कि ट। ता गी तृ क
१

धि कि ट ता गि न धा ग ऽ दि ग न धे त्ता कत्र ऽ
३

त्ति ट ता कत्र क त घिं ता ऽ न कि ट त क थुं गा
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त का थुं गा कि ट त क धे त्ता कत् तृ क धि कि ट
७

ता गि न|

२२ त क थुं ता गि ति ट क त धिं त रा ऽ न धे त्ता क त
३

गि धि ति ट क त ग दि् ग न धेत् तां धिं ऽ त ग दि्
\+

ग न धि कि ट ता गि न त क थुं ता गि ति ट क ता
७

ऽ न ग दि् ग न| न ग ति ट कत् ता गि ति ट क त
१

ग दि् ग न धा कि ट ता गि न धेत् ता गी ऽ न धे त्ता
३

क त गि घि ति ट क त ग दि् ग न न ग धेत् क त
\+ ७

गि घि ति ट क त गि घि ति ट घि डा ऽ न|

२३ धा ति रि कि ट त क ता ति रि किं ट त क ति रि कि ट
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त क ता ति ट क त ग दि ग न न ग ति रि धि ड
\+
न ग ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट त क ता
७
ति ट क त ग दि ग न।

२४ ति रि कि ट त क ता ति ट क त ग दि ग न धा धा
१ २
ति रि कि ट त क ता ति ट क त ग दि ग न धा धा
\+
ति रि कि ट त क ता ति ट क त ग दि ग न।
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबला-विभाग

तबलेके खुले और बन्द बोल

मृदंगकी तरह तबलेके मूल अक्षर सात हैं—'ती', ''ना', 'दिन्',
'ति', 'रि', 'घि', 'कत्'।

'ती', 'ना', 'दिन्'—यह तीनों दायेंके खुले बोल हैं। अनामिका और कनिष्ठिका अपनी ओर स्याहीके किनारे पर रख कर मध्यमा और तर्जनी से स्याही और चाटके बीचकी जगह पर प्रहार करतेही उठा लेनेसे 'ती' बजेगी। 'ना' बजानेके लिये कनिष्ठिका चाट पर और अनामिका स्याहीके किनारे पर रखकर तर्जनीसे चाटपर प्रहार करना चाहिये। मध्यमा उठी रहनी चाहिये। अंगूठा छोड़ कर, सब उंगलियां मिलाकर अपनी ओर स्याहीपर मारतेही उठा लेनेसे 'दिन्' बजेगा।

'ति', 'रि',—यह दायेंके बन्द बोल हैं। मध्यमा, अनामिका और कनिष्ठिका इन तीनों उंगलियोंसे स्याहीके बीचमें दबाकर बजानेसे 'ति' बजती है। 'रि' बजानेके लिये केवल तर्जनीसे स्याहीके बीचमें दबाकर बजाना चाहिये। ध्यान रहे कि 'ति' बजाते समय तर्जनी तबलेको स्पर्श न करे और 'रि' बजाते हुवे बाकी तीनों उंगलियां तबलेसे न छुवें।

घि—यह बायेंका खुला बोल है। बायेंके आटे या स्याहीके पहले हथेली रखकर उंगलियां अपनी ओर टेढ़ी करके अनामिका और मध्यमांगुलीसे आटे या स्याहीके आगे बजानेसे 'घि' बजेगी। यह बोल केवल तर्जनी से भी बजानेका अभ्यास करना चाहिये। क्योंकि जब जल्दी बजानेवाले बोल आते हैं उस समय क्रमसे पहले दो उंगलियोंसे और फिर एक उंगलीसे यह बोल बजानेसे सुगमता रहती है।

'कत्'—बायेंका बन्द बोल 'कत्' मृदंगके 'कत्' की तरह ही बजता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबलेके विस्तारके बोल

दायां–तिरि तिन तूना तृक तिट बायां–क

'तिरि'–यह बोल बजाने की रीति ऊपर लिखी जा चुकी है। 'किट' और 'तिट' यह दोनों बोल भी इसी तरह बजते हैं। इस बोल (तिरि) का पहला अक्षर दोनों हाथोंसे अर्थात् दायेंपर 'ति' और बायेंपर 'घि' एक साथ बजानेसे इसका उच्चारण 'धिट' होगा।

'कत्ता'–'कत्' बायपर बन्द बजेगा। 'ता' दायेंपर बन्द 'ती' की तरह बजेगा। 'किट्' और 'किड' यह दोनों बोल कत्की तरह बजते हैं। 'ता' की तरह बजनेवाला दूसरा बोल 'त' हैं।

'तिन'–दायेंके खुले बोलोंमें 'ति' बजानेकी रीति लिखी जा चुकी है। 'न' अपनी ओरके दायें किनारे पर तर्जनीसे खुला बजेगा। इस बोलके पहले अक्षर 'ति' को दोनों हाथोंसे, अर्थात् दायेंपर 'ति' और बायेंपर घि इकट्ठा बजानेसे इस बोलका उच्चारण 'धि' होता है।

'तिन'–इस दूसरे 'तिन' का 'ति' अपनी ओर स्याहीके थोड़ा ऊपर तर्जनी से वजातेही उठा लेनेपर बजता है। बायेंपर बन्द बजनेवाली 'ति' की तरह 'न' बजेगा। इसी तरह बजनेवाला एक दूसरा बोल 'तूना' है। 'तिन' का पहला अक्षर दोनों हाथसे, अर्थात् दायेंपर 'ति' और बायेंपर 'घि' बजानेसे इसका उच्चारण 'धिन' होता है।

'तूना'– ऊपर लिखी गई 'ति' के अनुसार 'त्' केवल तजनी उंगलीसे खुला बजेगा। 'ना' भी पहले की तरह दायेंकी चाट पर खुला बजेगा।

'तक'–बायें पर बन्द बजनेवाली 'तिरि' की तरह 'तृ' बजेगा क्योंकि एक अक्षर (तृ) के समयमें ही दो अक्षर (तिरि) बजाने होंगे और उच्चारण एक ही अक्षर (तृ) का होगा इसलिये इस बोल को बहुत जल्द बजाना चाहिये। दायेंपर बन्द बजने वाली 'ति' की तरह 'क' बजेगा।

'तिट'–केवल तर्जनी उंगलीसे अपनी ओर दायेंपर स्याहीके बीचमें 'ति' बजेगी। बायेंपर बन्द बजनेवाली 'ति' की तरह 'ट' बजेगा।

दायां–	न	ना	न	ति	ट	धा	ता	ड़ान
बायां–						धा गि	घि	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'ननान'—मध्यमा, अनामिका और कनिष्ठिका इन तीनों अंगुलियोंको मिलाकर चाट पर 'न' बजाया जाता है। इसी जगह केवल तर्जनी से 'ना' बजता है। तीसरा 'न' भी पहले 'न' की तरह ही बजेगा।

'तिट'—यह बोल पंजेसे बजाया जाता है। 'ति' मृदंगके दायेंपर बजनेवाली 'की' की तरह बजेगी। 'ट' भी मृदग की तरह ही अंगूठे की ओर बन्द बजेगा। इस बोलके पहले अक्षर 'ति' को दोनो हाथोंसे अर्थात् दायेंपर 'ति' और बायेंपर 'घि' इकट्ठा बजानेसें इस बोलका उच्चारण 'धिट' और 'धिरि' यह होता है। यह दोनों बोल पंजेसे ही बजेंगे।

'धागि'—दायेंपर खुला 'ना' और बायेंपर 'घि' एक साथ बजानेसे 'धा' बजता है। बायेंपर बजानेवाली 'घि' की तरह 'गि' बजेगी।

'ता'—दायेंपर जैसे थाप बजती है उसी तरह 'ता' बजाया जाता है। यह बोल दोनों हाथोंसे अर्थात् दायेंपर 'ता' और बायेंपर 'घि' एक साथ बजावेसे इसका उच्चारण 'धा' होगा।

'घिडान'—ऊपर घि बजानेकी रीति लिखी है। दायेंके खुले बोल 'ति' की तरह 'ड़ा' बजेगा। बायेंपर बन्द बजनेवाली 'ति' की तरह 'न' बजेगा।

ऊपर दिये गये तबलेके बोल और उनके बदले हुवे बोल आदि अच्छी तरह समझ लेनेसे ही आगे आनेवाले बोलोका ठीक बजा सकना संभव हो सकता है।

तबलेके ठेके

एकताल मात्रा १२, ताली १–५–९–११ खाली ३·७

धीं	धीं	धा	गि	ति	रि	कि	ट	तू	ना	क	त्ता	धा	गि	ति	रि	कि
−	−	०	०	◡	◡	◡	◡	−	−	−	−	०	०	◡	◡	◡
१		+						५		+		९				

ट	धी	ना |
◡	−	−
	११	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत १

धीं धि न धि न धीं धि न धि न तीं ति न कि न धीं धि
१ + ५ + ९ ११
न धि न ।

गत २

धा गि ति रि कि ट धि ड न ग तू ना ऽ ता ति रि कि ट
१ + ५
ता कि ति रि कि ट घि ड न ग तू ना ऽ धा ति रि कि ट ।
+ ९ ११

मोहरा ३

धा कि ट त क त क ति रि कि ट धा ऽ धा कि ट त क
१ ५
त क ति रि कि ट धा ऽ धा कि ट त क त क ति रि कि ट ।
+ ९ ११

ठेका आडा चौताल मात्रा १४, ताली १-३-७-११ खाली ५-९-१३

धीं धीं धा गि ति रि कि ट तू ना क त्ता धी धी ना धी धी ना ।
१ ३ + ७ + ११ +

झुमरा मात्रा १४, ताली १-४-११ खाली ८

धीं ऽ धा ति रि कि ट धीं धीं धा गि ति रि कि ट तीं ऽ
१ ४ +
ता ति रि कि ट धीं धीं धा गि ति रि कि ट ।
११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रूपक मात्रा ७, ताली ४-६ खाली १ (इस तालकी सम खाली पर है)

ती ती ना धी ना धी ना |

\+ ४ ६

दीपचंदी (चंचल) मात्रा ७, ताली १, १॥, ६ पर खाली ३॥ पर

(सूचना—दीपचंदी ताल १४ मात्रा का भी होता है। तब इसकी मात्रा १४, ताली १, ४, ११ पर और खाली ८ पर आती है।)

धा तिं ऽ धा गि तिं ता तिं ऽ धा गि धिं |

१ १॥ + ६

गत १

घि ड न ग धि न धि न धा धा कि ट त क धि न कि ड

१ १॥ +

न ग ति न घि न धा धा कि ट त क धि न |

६

गत २

धा कि ट त क धि न धा धा कि ट त क धा कि ट त क

१ १॥

धि न ता कि ट त क ति न धा धा कि ट त क धा कि ट

\+ ६

त क धि न |

रेला ३

घि ड न ग त क ता कि ति रि कि ट घि ड न ग ति रि

१ १॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ट त क ता कि ति रि कि ट कि ड न क त क ता कि
+
ति रि कि ट घि ड न ग ति रि कि ट त क ता कि
६
ति रि कि ट ।

मोहरा ४

धि रि धि रि कि ट त क तक् क डां ऽ धा क ड धि न त
१ १॥
क ता त कि ट धा त कि ट धा त कि ट ।
+ ६

मोहरा ५

ति ट क ड धे ऽ त कि ट धा ति ट क ड धे ऽ त कि ट धा
१ १॥ +
ति ट क ड धे ऽ त कि ट ।
६

झपताल मात्रा १०, ताली १-३-८ पर खाली ६ पर

धी ना धी धी ना ती ना धी धी ना ।
१ ३ + ८

गत १

धी न धि न धा गि ति रि कि ट ति न कि न धा गि ति रि कि ट ।
१ ३ + ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत २

धा गि ति रि कि ट धि न धि ड़ न ग ता कि ति रि कि ट
१ ३ +

धि न धि ड़ न ग ।
४

मोहरा ३

धा गि ति रि कि ट धि ड़ न ग ति रि कि ट धी ना धि ना
१ ३

ऽ धा ऽ ड़ धा धि ना ऽ धा ऽ ड़ धा धि ना ऽ धा ऽ ड़ ।
+ ४

दादरा–मात्रा ६, ताली १-३ खाली ५

धा गि ना धा ति ना ।
१ ३ +

(सूचना–उक्त ठेका शास्त्रोक्त मत के अनुसार तिस्रजाति का है। तथा इसके तीन-तीन बोल एकएक मात्रा में आयेंगे। मात्रा २, ताली १ खाली २)

घुमाली–मात्रा ४; ताली १-२-४ खाली ३

धि धिं धा तिं ति रि कि ट धिं धा गि ति रि कि ट ।
१ २ + ४

केहरवा मात्रा ४, ताली १-२-४ खाली ३

धा गि न ति न क धि न ।
१ २ + ४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठुमरी (पंजाबी ठेका)—मात्रा १६, ताली १-५-१३ खाली ९

धा ग धी ऽ ग धा धा क ती ऽ क ता ता क ती ऽ क ता
१ ५ +

धा गि न धी ऽ गि धा |
१३

टप्पा—मात्रा १६, ताली १-५-१३ खाली ९

धीं ऽ त धीं ता धीं ऽ त धीं ता कत् ' कत् ऽ ना धीं ऽ
१ ५ + १३

त धीं ता |

तिलवाडा मात्रा १६, ताली १-५-१३ खाली ९

धा ति रि कि ट धि ऽ धि ना ना तिं तिं ता ति रि कि ट
१ ५ +

धिं ऽ धि ना ना धिं धिं |
१३

तिलवाडा (दूसरा प्रकार)

धा ति रि कि ट धीं धीं धा धा तिं तिं ता ति रि कि ट
१ ५ +

धीं धीं धा धा धीं धीं |
१३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

अद्धा मात्रा ८, ताली १-३-७ खाली ५

धा धिं ऽ क्ड धिं धा धिं ऽ क्ड धिं ता तिं ऽ क्ड तिं ता धिं
१   ३   +   ७

ऽ क्ड धिं |

मत्तताल मात्रा ९, ताली १-३-४-६-७-८ खाली २-५-९

धा तत् धा गि न धा ति रि कि ट धा गी ना तू ना क त्ता
१   +   ३   ४   +   ६

धी धी ना धी धी ना |
७   ८   +

सवारी मात्रा १५, ताली १-४-८-१२

धे ऽ ना ऽ क्ड़ धे ऽ ना ऽ क्ड धे ना त धी ना धी ना ती ऽ
१   ४   ८

क्ड़ तू ना ति रि कि ट तू ना कि ड न ग क त्ता धी धी ना
१२

धी धी ना |

कवाली (भजन या अभंग का ठेका) मात्रा ४, ताली १-२-४

धा धिं ऽ धिं धा तिं ता तिं ऽ ति न क धिं |
१   २   +   ४

गजल (रूपक) मात्रा ७, ताली ४, ६ पर खाली पर सम आती है।

तीं ऽ त क धीं ऽ धा धा |
+   ४   ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विलंबीत (ठाय) तीनताल तबले का

मोहरा १

धा ति र कि ट धि कि ट क त धीं त रा ऽ नु धा दी
१

क ति ट धा |
५

ऊपर का मोहरा सम से समतक तीन दफे बजेगा. तीसरे दफे बजाने के वक्त आखीर का (धा) नहीं बजाना । उस जगह ठेका शुरु करना चाहिये।

ठेका २

धा धीं धीं धा धा धीं धीं धा धा तीं तीं ता ता धिं धिं धा |
१ ५ + १३

बदला हुवा ठेका ३

धा ऽ ग धि गी धि गी धा गी धा ऽ ग धि गी धि गी धा गी
१ ५

धा ऽ क ति की ति की ता की ता ऽ क ड धी गी धा ति र
+ १३

कि ट त क ता ति र कि ट |

बदला हुवा ठेका ४

धा धीं धीं धा धा धा धीं धा धि धा धा धीं धा तीं तीं ता
१ ५ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ता कि न ता ति र कि ट घी न घि न धा गि न धा
१३
ति र कि ट |

बदला हुवा ठेका ५

धीं धा ति र कि ट धीं धा धा गी ति र कि ट धीं ता तीं
१ ५ +
तीं ता क तिं ना कि ड न क त क ती री कि ट |
१३

गत ६

धा गि न धा ति रि कि ट धी न घी न धा गि न धा ति रि
१ ५
कि ट ता कि न ता ति रि कि ट धी न घी न धा गि न धा
+ १३
ति रि कि ट |

गत ७

धा गि न धा ति र कि ट धि न गि न धा गि न धा ति रि
१
कि ट धि न गि न धा गि न धा ति र कि ट धा गि न धा
५
ति र कि ट ती ना ऽ ता ति र कि ट ती ना ऽ ता ति र कि ट
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ति ना ति र कि ट धा गि न धा ति र कि ट धि न धि न

१३

धा गि न धा ति र कि ट।

गत ८

धा गि न धा ति र कि ट धि न धि न धीं धि न धि न धि

१ ५

धि ना ति र कि ट धि न गि न धा गि न धा ति र कि ट

ता कि न ता ति र कि ट ति न कि न तीं ती ना ति र कि ट

+

धा ति र कि ट त क ता ति र कि ट धा ति र कि ट त क

१३

ता ति र कि ट।

गत ९

धि न धा गि तु ना कि ट धि न धा गि तु ना कि ट धा क

१ ५

ड धा कि ट धि न धा गि धा गि तु ना कि ट कि न ता की

+

तु ना कि ट कि न ता की तु ना कि ट धा क ड धा कि ट

१३

धि न धा गि धा गि तु ना कि ट।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत १०

धि ना ऽ ग धा ति र कि ट धी ना धा ति र कि ट धि ना
१ ५
ति र कि ट धि न धि न धा गि न धा ति र कि ट ति ना
\+
ऽ क ता ति र कि ट ती ना ता ति र कि ट धि ना ति र
१३
कि ट धि न धि न धा गि न धा ति र कि ट |

गत ११

धा गि ति र कि ट धि न धि न धा गि ति र कि ट धि न
१
धि न धा गि न धा ति र कि ट धि न धा गि ति र कि ट
५
धि न धि न ता की ति र कि ट ति न कि न ता की ति र
\+
कि ट ति न कि न धा गि न धा ति र कि ट धि न धा गि
१३
ति र कि ट धि न धि न |

गत १२

धा गि न धा ऽ धा गि न धा धा धि न धा धि न धा धा धि
१ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

न धा गि न धा ऽ धा गि न ता कि न ता ऽ ता कि न ता ता

+

कि न ता घि न धा धा घि न धा गि न धा ऽ धा गि न |

१३

गत १३

घि न घि न धा ग घि न घि न धा गि त्र क धि न घि न

१ ५

त्र क धि न घि न धा गि त्र क धि न घि न ति न कि न

+

ता क ति न कि न धा गि त्र क धि न घि न त्र क धि न

१३

घि न धा गि त्र क धि न घि न |

गत १४

द्रीं गि न त क घि न ता की ति र कि ट तु ना क ता त

१ ५

कि ट त कि ट धा गिं ति र कि ट धि न धि ड न क ति न

+

न ता कि कि त क ति न तु ना कि ड न क त क धि न

१३

त क धि न त क धि न तु ना क ता |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत १५

धा ति र कि ट धा ति र कि ट धा ति धा ऽ धि र कि ट
१

त क धा ति धा ऽ धा गि न तु ना धि ड न ग ति र कि ट
५

त क ता ति र कि ट ता ति र कि ट ता ति र कि ट ता ती
+

ता ऽ धि र कि ट त क धा ति धा ऽ धा गि न तु ना धि
१३

ड न ग ति र कि ट त क ता ति र कि ट |

गत १६

धा क ड धा ऽ धा गि न धा गि तु ना क ड धि न धा गि
१ ५

न तु ना क ड धि न धा गि न धा गि तु ना कि ट ता क
+

ड ता ऽ ता कि न ता कि तु ना क ड धि न धा गि न तु ना
१३

क ड धि न धा गि न धा गि तु ना कि ट |

गत १७

धा गि तु ना क ड धि न धा गि तु ना धा गि न धा गि
१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तु ना क ड धि न धा गि धा गि तु ना धा गि न तु ना
५
ता की तु ना क ड ती न ता की तु ना धा गि न धा गि
+
तु ना क ड धि न धा गि धा गि तु ना धा गि न तु ना |
१३

गत १८

धा गि त्र क धि न क त गि धि न क कि ड न क तीं ना
१ ५
ता की त्र क धि न गि घि न ग धि न ता की त्र क ती न
+
क त कि कि न क क त कि कि न क धि न क त गि धि
१३
न ग धा गि त्र क धि न |

गत १९

धीं धा क ड धा ऽ न धा क ड धि ना ना धि न धि ट धि ट
१ ५
धा गि ना धे ऽ धा गि न धि न घि न तीं ता कि ड ता ऽ न
+
ता क ड धि ना ना धि न धि ट धि ट धा गि ना धे ऽ धा
१३
गि न धि न घि न |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन २०

धि न त ग धि न त ग त ग धि न ता गि ती ट घि ड न ग
१ ५
धि न त क ति टि क ता कि ट त क ति र कि ट तु ना कि
+
ड न क ति न गि न ता गि ति ट घि डा ऽ न धा गि न ग
१३
धि न त क ति र कि ट |

गतपरन २१

तक् घि डा ऽ न घि ड न ग द्रीं घि ड न ग ति र कि ट
५
धा गि न ग ति न गि न ति र कि ट त की ट त कि ट
+
धा गि ति र कि ट धी न ग दी ग न धि न क त कि ट धा
१३
त कि ट धा ऽ त कि ट |

गतपरन २२

द्रीं घि ड न ग त क धी न त क ति र कि ट धा ति र कि
१ ५
ड धा घि ड न ग धि न तु ना क ता क त गि धि न ग धि न
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धा गि न धा ति र कि ट धि रि धि रि घि ड न ग धि
१३
न त ग ता गि ति ट कि ड न क ति र कि ट त क ता
ति र कि ट |

गतपरन २३

धा ग ऽ त कि ट धा गि ति ट घि ड न ग धि न घि डा ऽ न
१ ५
घि ड न ग धि न त क ति र कि ट धा गि न धा ति र कि ट
+
धि न त क धि न ता धा गि ति र कि ट धा गि ति र कि ट
१३
धि न ग दि ग न |

गतपरन २४

धि न त ग धि न त ग त क धि न ता गि ति ट घि डा ऽ न
१
ती र की ट धी त कि ऽ न धा क ड घे ऽ ता धि न धा गि
५
न ग घे ऽ ता कि ड न ग ता कि ड न क ति र कि ट त क
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धि रि कि ट त क क डान् ऽ ऽ क ड धा क डान् ऽ ऽ क ड
१३

धा क डान् ऽ ऽ क ड धा |

गतपरन २५

यह गतपरन खालीसे उठनी चाहिये।

धि न धा गि ति ट धि न धि न धा गि ति ट धि न धा धा
\+ १३

कि ड न ग धि ट ति ट कि ट त क धा तृ | क धि कि ट
१

धि न धी न कि ड न ग धि रि कि ट त क धे ऽ त तीं ति न
५

कि न तीं ति न कि न ति न धि रि कि ट कि ड न क ति
\+

र क़ि ट न ग धि रि कि ट त क धा धि रि कि ट कि ड न

क ति र कि ट न ग धि रि कि ट त क धा धि रि कि ट
१३

कि ड न क ति र कि ट न ग धि र कि ट त क|

गतपरन २६

त कि ट धा ऽ कत् धि ट धि ट घि ड न ग धा ति र कि ट
१ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घा घि घि द्रीं द्रीं घि रि घि रि कत् घि रि ति रि कि ट
+
त क त क डां ऽ धा कत् कत् ऽ त क्रि ट घा ऽ त कि ट
१३
घा ऽ त कि ट धा ऽ त कि ट।

गतपरन २७

धी न घि न न ग धे ऽ घि ड न ग धा ऽ द्रीं ऽ ति ट
१ ५
धीं धीं त रा ऽ नु धा घि ड न ग घि न त क ति र कि ट
+ १३
तु ना क ता धी न घि न ति र कि ट त क ता ति र कि ट।

रेला २८

धा ति रि घि ड न ग धा त धा ति रि घि ड न ग ति रि
१
कि ट न ग घि रि क ट त क धा ति रि घि ड न ग ति रि
५
कि ट न ग घि रि कि ट त क धा त धा ति रि कि ट त क
ता ति रि कि ड न क ता त धा ति रि घि ड न ग तु ना
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ट त क तु ना कि ट त क त कि ट त क त घि ड न ग

१३

ति र कि ट न ग धि रि कि ट त क |

रेला २९

धा ति रि घि ड न ग धा ति रि घि ड न ग तु ना कि ट त

१

क त तु ना कि ट त क त धा ति रि घि ड न ग धा त धा

५

ति रि घि ड न ग तु ना ता तिं रि कि ट त क तु ना कि ट

\+

त क ता ति रि कि ट त क तु ना कि ट त क त धि रि कि

१३

ट घिं ड न ग त घि ड न ग ति र कि ट न ग धि रि कि ट

त क |

रेला ३०

धा ति रि घि ड न ग धा त धा ति रि घि ड न ग तु ना

१

कि ट त क धा ति रि घि ड न ग तु ना कि ट त क धा

५

ति रि घि ड न ग धा ति रि घि ड न ग धा त ता ति रि

\+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ट त क तु ना कि ट त क धा ति रि घि ड न ग धा

ति रि घि ड न ग घि ड न ग तु ना कि ट त क त ति रि

१३

कि ट धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट |

रेला ३१

धा ति रि घि ड न ग घि ड न ग धा ति रि घि ड न ग

१ ३

ता ति रि कि ट त क तु ना कि ट त क ति रि कि ट न ग

५

धा ति रि घि ड न ग घि ड न ग धा ति रि घि ड न ग

त ता ति रि कि ट ता ति रि कि ट धा ति रि घि ड न ग

\+

ति रि कि ट त क धा ति रि घि ड न ग ति रि कि ट त क

१३

धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट धा ति रि घि ड न ग धा त |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तीन ताल (मध्यलय) मात्रा ८

मोहरा १

ति	र	कि	ट	धे	ति	र	कि	ट	धे	ति	टि	ति	टि	घि	घि	ति	ट
१										२							

कि	ड	धे	ऽ	ता	ऽ	न	धा	क	ड	धि	न	धा	ऽ	क	ड	धा	|
+								७									

ठेका २

धा	धीं	धीं	धा	धा	धीं	धीं	धा	धा	तीं	तीं	ता	ता	धीं	धीं	धा	|
				३				+				७				

बदला हुवा ठेका ३

धि	धा	धा	धीं	ऽ	धा	धा	धीं	तिं	ता	ता	धीं	ऽ	धा	धा	धीं	|
१				३				+				७				

बदला हुवा ठेका ४

धि	धा	धा	धीं	धा	धीं	धीं	धा	तीं	ता	ता	धीं	धा	धीं	धीं	धा	|
१				३				+				७				

बदला हुवा ठेका ५

धा	ति.र	कि	ड	धीं	धा	धा	धीं	धीं	धा	ता	ति	र	कि	ड	धीं	धा
१						३				+						

धा	धीं	धीं	धा	|
७				

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बदला हुवा ठेका ६

धा ति र कि ड धीं धीं धा धा तीं तीं ता ति र कि ड धीं
१ ३ +

धीं धा धा धीं धीं |
७

गत ७

धा धा कि ट त क धा धा तु ना ता ता कि ट त क धा धा तू ना |
१ ३ + ७

गत ८

धा कि ट त क धा धा धा तु ना ता कि ट त क धा धा धा तु ना |
१ ३ + ७

गत ९

धा कि ट त क धी न धी न धा धा कि ट त क धा कि ट
१ ३

त क धि न ता कि ट त क ती न ती न धा धा कि ट त क
+ ७

धा कि ट त क धि न |

गत १०

धा कि ट धा कि ट धि न धा धा कि ट त क धि न धि न
१ ३

ता कि ट ता कि ट ती न धा धा कि ट त क धि न धि न
+ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत ११

धा किट तक धा ऽ न धा न धा किट तक कि ड धा ऽ न
१ २

ता किट तक ता ऽ न ता न धा किट तक कि ड धा ऽ न।
+ ७

गत १२

धा ति रि कि ट धि कि ट घि ड न ग धि न तु ना क त्ता
१ २

ता ति रि कि ट धि कि ट घि ड न ग धि न तु ना क त्ता
+ ७

गत १३

धि न तु ना क ता धि न तु ना क ता घि ड न ग ता ती
१ २ +

रि कि ट धि कि ट घि ड न ग धि न तु ना क ता।
७

गत १४

तु ना क ता धा ति रि कि ट धि कि ट घि ड न ग धी न
१ २

ता ति रि कि ट धि कि ट घि ड न ग धि न तु ना क ता।
+ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत १५

घि ड न ग धि न क त गि धि न ग कि ड न क ति न क त
१ ३ +

घि ड न ग धि न क त गि घि न ग ।
०

गत १६

ड धि न धा गि न क ड धि न धा गि तु ना क ड धि न
१ ३

क ड ती न ता कि तु ना क ड धी न धा गि न क ड धी न ।
+ ०

गतपरन १७

क ड धी न धा गि न तु ना धि न तु ना क ड धी न ता
१ ३

कि न तु ना क ड धी न धा गि न तु ना धि न तु ना ।
+ ०

गतपरन १८

धा गि न धा त्र क धि ट धा त्र क धि ट धा त्र क ती न
१ ३ +

ता कि न ता त्र क धि ट धा गि न ति न क ।
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गतपरन १९

द्रीं द्रीं ति ट ति ट धा गि ति ट ता गि ति ट धा ग ऽ त कि ट
१ ३ +

धा गि ति ट कि ट त क कि ट त क | ति रि कि ट त क
७ १

धि रि कि ट त क धा ती क डा न कि ट त क ति र कि ट
३

त क धि रि कि ट त क धा ती कत् कि ट त क ती रि
+ ७

कि ट त क धि रि कि ट त क धा ती |

गतपरन २०

धा धा कि ट त क धि ति रि कि ट धीं त रा ऽ न धा ति धा
१ ३

कि ट कि ट त क धी द्रीं ऽ न कि ट त क ति रि कि ट कि ट
+

त क ति रि कि ट धीं ति रि कि ट धीं त रा ऽ न |
७

गतपरन २१

धा गि ति ट घि डा ऽ न धा त्र क धि कि ट त क धा धा तु ना
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घि ड न ग ति र कि ट कि ड न ग ति र कि ट कि ड न ग
\+

तु ना धि न धा त्र क घि कि ट धि न धा ग ऽ दि ग न |
७

गतपरन २२

धि ट धि ट घि ड न ग कि ट धा कि ट त क घि न कि ट
१ २

धा कि ट धा कि ट त क धि न कि ड न ग ति रि कि ट
०
\+ ७

त क धि रि कि ट त क |

गतपरन २३

न क त ऽ धि रि कि ट त क धा धि ना घि ड न ग न ग
०
१ २

धि रि कि ट त क क ती कि ड न ग ता क डा ऽ नु कि ड
\+

धा ती धा क डा ऽ न कि ड धा ती |
७

मोहरा २४

धा गि ति ट धा गि ति ट ता गि ति ट ता गि ति ट कि ड
१ २ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घे ऽ ता ऽ न धा क ड धि न धा ऽ कि ड धा |

मोहरा २५

न क त ऽ धि रि कि ट त क धा कि ट त क धा धा तु ना

कि ड न ग ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट धि न धा

गि न धा ति रि कि ट |

मोहरा २६

त कि ट धा ति रि कि ट धि ट धी ट तु ना ग दी ग न न ग

न ग ति रि कि ट तु ना घि ती टि कत् ऽ धि रि कि ट त क |

मोहरा २७

धि ति रि कि ट धि की ट क त धीं त रा ऽ न धा दी क

ति ट धा धि ट धि ट धि ना क ड धी ता ऽ न |

मोहरा २८

धा घि ड न ग धा घि ड न ग तु ना धि ना ऽ धा ऽ ड धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

घि ड न ग तु ना धि रि ति रि ति रि ति रि घि ड न ग
\+
तु ना घि ड न ग धा घि ड न ग धा घि ड न ग ।
०

रेला २९

धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट धा ति रि घि ड न ग ति रि
१ २
कि ट त क ता ति रि कि ट ता ति रि कि ट ता ति रि कि ट
\+
ता ति रि घि ड न ग ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट ।
०

रेला ३०

धि रि कि ट त क धा ती रि कि ट धि कि ट घि ड न ग
१ २
ति रि कि ट त क ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट धि
\+
कि ट घि ड न ग ति रि कि ट त क ।
०

रेला ३१

त कि ट धा ति रि कि ट धि न धा गि न ति न क धि नु
१ २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धि न न त क धा ति रि कि ट धि रि धि रि कि ट त क
+ ७
त क ता कि ति रि कि ट |

स्व. वादनाचार्य बळवंतराव वैद्य इनके संग्रहके बोल.

१ ति रि कि ट धा ती ना ति रि कि ट धा धा ति रि
१ ३ +
कि ट धा धा ती ना ति रि कि ट धा धा ती ना |
७

२ धा धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट धा धा ति रि कि ट
१ ३
धा धा ती ना ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क
+
धा धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट धा ती ना |
७

३ मोहरा:—धा धा ति रि कि ट धा धा ति रि कि ट धा
१ ३
ती ना कि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धा ती ना कि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क |
० ३

४ धि रि कि ट त क धा त धा ति रि कि ट त क
१ २

धा ती ना कि ट धा ती ना ति रि कि ट त क ता त धा
+

ति रि कि ट त क धा ती ना कि ट धा ती ना |
३

५ धा ति रि कि ट धी न धा धा ति रि कि ट धी न धा
१ २

ति रि कि ट धी न ता ति रि कि ट ती न धा धा
+

ति रि कि ट धी न धा ति रि कि ट धी न |
३

६ धा ति रि कि ट धी न धा ति रि कि ट धी न धा ति री
१ २

कि ट धी न ता ति रि कि ट धी न धा ति रि कि ट
+

धी न धा ति रि कि ट धा धा ति रि कि ट |
३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७ धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट धी न धा धा ति रि
१ ३

कि ट ता ता ति रि कि ट ता ति रि कि ट ता ति रि
+

कि ट ती न धा धा ति रि कि ट ता ता ति रि कि ट |
७

८ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना कि ड
१ ३

धा ऽ धा कि ट त क ता ता कि ट त क ता कि ट
+

त क धा ती ना कि ड धा ऽ धा कि ट त क |
७

९ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा धा कि ट त क
१ ३

धा ऽ धा कि ट त क ता ता कि ट त क ता कि ट त क
+

धा धा कि ट त क धा ऽ धा कि ट त क |
७

१० धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा कि ट त क
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धी ना ता ता क्ति ट त क धा क्ति ट त क धा क्ति ट
+ ७

त क धी ना |

११ धा क्ति ट त क धा क्ति ट त क धा धा क्ति ट त क धा धा
१ २

क्ति ट त क धी न ता क्ति ट त क ता क्ति ट त क धा धा
+ ३

क्ति ट त क धा धा क्ति ट त क धी न |
७

१२ धा क्ति ट त क धा ऽ न धा धा क्ति ट क्ति ड धा ऽ न
१ २

ता क्ति ट त क धा ऽ न धा धा क्ति ट क्ति ड धा ऽ न |
+ ७

१३ धा धा क्ति ट क्ति ट क्ति ड धा ऽ न धा क्ति ट ता ता
१ २ +

क्ति ट क्ति ट क्ति ड धा ऽ न धा क्ति ट |
७

१४ धा क्ति ट क्ति ट क्ति ड धा ऽ न धा क्ति ट क्ति ट ता
१ २ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क्रि ट क्रि ट क्रि ड धा ऽ न धा क्रि ट क्रि ट |
०
७

१५ धा क्रि ट त क धी ट धा क्रि ट धी ट धा क्रि ट त क
१ ३

धा क्रि ट त क ता क्रि ट त क ती ट धा क्रि ट धी ट
\+ ७

धा क्रि ट त क धा क्रि ट त क |

१६ धा क्रि ट त क धा क्रि ट त क धा क्रि ट त क धी न
१ ३

धा क्रि ट त क धी न ता क्रि ट त क ता क्रि ट त क
\+

धा क्रि ट त क धी न धा क्रि ट त क धी न |
७

१७ धा धा क्रि ट त क धा धा क्रि ट त क धा क्रि ट त क
१ ३

धा क्रि ट त क धी न ता ता क्रि ट त क ता ता क्रि ट
\+

त क धा क्रि ट त क धा क्रि ट त क धी न |
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१८ धा कि ट त क धी न धा कि ट त क धी न धा कि ट
१ ३

त क धी न ता कि ट त क ती न धा कि ट त क
\+ ७

धी न धा कि ट त क धी न |

१९ धा कि ट त क धी न धा धा कि ट त क धा कि ट
१ ३

त क धी न ता कि ट त क ती न ता ता कि ट त क
\+ ७

धा कि ट त क धी न |

२० धा धा कि ट त क धा कि ट त क धी ना धा गि न
१ ३

धा कि ट त क ता ता कि ट त क ता कि ट त क
\+

ती ना धा गि न धा कि ट त क |
७

२१ धा कि ट त क धा ति न घि न धा गि न धा कि ट
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धि न ता कि ट त क ता ति न घि न धा गि न
+ ७

धा कि ट धि न|

२२ धा धा कि ट तक् कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना
१ ३

ता ता कि ट तक् कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना|
+ ७

२३ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना धा
१ ३:

कि ट त क धा ती ना ता ता कि ट त क ता कि ट
+

त क ता ती ना धा कि ट त क धा ती ना|
७

२४ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा कि ट त क धा
१ ३

ती ना ता ता कि ट त क ता कि ट त क धा कि ट
+ ७

त क धा ती ना|

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२५ धा धा कि ट त क धा धा कि ट त क धा तत् धा तत्
१ ३
धा धा कि ट त क ता ता कि ट त क ता ता कि ट
+
त क धा तत् धा तत् धा धा कि ट त क |
७

२६ धा कि ट त क धा तत् धा धा तत् धा कि ट धा तत्
१ ३
धा कि ट धा तत् ता कि ट त क ता तत् धा धा तत्
+
धा कि ट धा तत् धा कि ट धा तत् |
७

२७ धा धा कि ट त क धि न धा कि ट त क धि न ता ता
१ ३ +
कि ट त क ति न धा कि ट त क धि न |
७

२८ धा कि ट त क धी न धा कि ट त क धा धा कि ट
१ ३
त क धी न गि न ता कि ट त क ती न ता कि ट
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त क धा धा कि ट त क धी न गि न |
 ७

२९ कि ट त क धी न गि न धा गि न धा कि ट त क
१ २
धी न गि न कि ट त क ती न गि न धा गि न धा
 + ७
कि ट त क धी न गि न |

३० धी ट धा गि तू ना कि ट त क धा धा कि ट त क
१ २
धी न गि न ति ट ता गि तू ना कि ट त क धा धा
 + ७
कि ट त क धी न गि न |

३१ धा ती ना घि ड न ग तक् धा ती ना घि ड न ग तक्
१ २
ता ता कि ट त क धा धा धा कि ट त क धा ती ना
+ ७
घि ड न ग तक् |

३२ धा ती ना घि ड न ग तक् धा ती ना घि ड न ग तक्
१ २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ता ती ना कि ड न ग तक् धा ती ना घि ड न ग तक् |
\+ ७

३३ धा कि ट त क धी न गि न तक् धा गि न धा कि ट
१ ३

त क ता कि ट त क धी न गि न तक् धा गि न धा
\+ ७

कि ट त क |

३४ त क धि न गि न धा गि न धा कि ट त क धी न गि न
१ ३

त क ती न गि न धा गि न धा कि ट त क धी न गि न |
\+ ७

३५ धी न गि न त क धा गि न धा कि ट त क धी न गि न
१ ३

ति न गि न त क धा गि न धा कि ट त क धी न गि न |
\+ ७

३६ धी ना ऽ धा तृ क धी न गि न धा गि न धा कि ट त क
१ ३

ती ना ऽ ता तृ क धि न गि न धा गि न धा कि ट त क |
\+ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३७ धि न घि ड न ग धा गि ती ट धा गि तू ना कि ट त क
१ ३

ती न कि ड न ग धा गि ति ट धा गि तू ना कि ट त क|
+ ७

३८ घि डा ऽ नू तु ना कि ड न ग ति रि कि ट घि ड न ग
१ ३

ति रि कि ट धा गि ति ट किं डा ऽ नू तु ना कि ड
+

न ग ति रि कि ट घि ड न ग ति रि कि ट धा गि ति ट|
७

३९ न ग धि रि कि ट त क धा गि ति ट तू ना कि ट त क
१ ३

ता गि ती ट न ग धि रि कि ट त क ता गि ति ट
+

तु ना कि ट त क धा गि ति ट|
७

४० धी ना ऽ धा तृ क धी ना ऽ धा तृ क धी ना ऽ धा तृ क
१ ३ +

धि न गि न धीं न गि न धा गि न धा कि ट त क|
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ती ना ऽ ता तृ क ती ना ऽ ता तृ क ती ना ऽ ता तृ क
१ ३ +
धि न गि न धि न गि न धा गि न धा कि ट त क।
७

४१ धी ना ऽ धा तृ क धी ना ऽ धा तृ क धी ना तृ क
१ ३
धी न गि न धी न गि न धी न धा गि न धा कि ट त क।
+ ७
ती ना ऽ ता तृ क ती ना ऽ ता तृ क ती ना तृ क धी न
१ ३ +
गि न धी न गि न धी न धा गि न धा कि ट त क।
७

४२ धा ऽ क्ड धा तत् धा तृ क धि कि ट धी न धा ग ति न
१ ३
ता ऽ क्ड ता तत् धा तृ क धि कि ट धी न धा ग ति न।
+ ७

४३ धा ऽ क्ड धा तत् धा तृ क धि कि ट धि न ता ऽ क्ड
१ ३ +
ता तत् धा तृ क धि कि ट धि न।
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४४ धा गि तु ना कि ट त क धा गि तु ना कि ट त क
१ ३
धा गि ति ट ता गि तु ना कि ट त क धा गि तु ना
\+ ७
कि ट त क धा गि ति ट।

४५ कि ट त क धा गि ति ट धा गि ति ट धा गि धा गि
१ ३
तु ना कि ट त क ता गि ति ट ता गि ति ट धा गि
\+ ७
धा गि तु ना।

४६ धा गि धा गि तु ना कि ट त क धा गि ती ट धी न
१ ३
गि न ता गि ता गि तु ना कि ट त क धा गि ती ट
\+ ७
धि न गि न।

४७ धी ट धा गि ति रि कि ट तु ना धा गि ति ट धा गि
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ति ट ति ट ता गि ति रि कि ट तु ना धा गि ति ट
+ ७

धा गि ति ट ।

४८ घि ड न ग त क धि रि कि ट त क धा कि ट त क
१ ३

धा धा ती ना कि ड न ग तक् घि ड न ग तकू धि रि
+

कि ट त क धा कि ट त क धा धा ती ना ।
७

४९ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा ऽ धा ती ना
१ ३

घि ड न ग तकू ता ता कि ट त क धा कि ट त क
+

धा ऽ धा ती ना घि ड न ग तकू ।
७

५० घि ड न ग तु ना घि ड न ग तु ना घि ड न ग ति ट
१ ३

धा गि ती ट घि ड न ग घि ड न ग घि ड न ग तु ना
+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ति ट घि ड न ग ती ट घि ड न ग तु ना |
७

५१ धि रि कि ट तक् धा धा ती ना घि ड न ग तक् घि ड
१ ३

न ग थुं ना घि ड न ग त क धा गि तु ना ति रि कि ट
\+ ७

त क धि रि कि ट त क |

५२ धि रि कि ट त क धा ऽ त धा ति रि कि ट धि कि ट
१ ३

घि ड न ग ति रि कि ट ति रि कि ट त क धा ऽ त
\+

धा ति रि कि ट धि कि ट घि ड न ग ति रि कि ट |
७

५३ धा तिं धा ति रि कि ट धा तिं धा ति रि कि ट धा तिं
१ ३

ऽ ना कि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क
\+

धा तिं धा ति रि कि ट धा तिं धा ति रि कि ट |
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५४ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना धा धा
१ ३
कि ट त क धा कि ट त क धा ती ना धा धा ति रि
+
कि ट धा तत् धा धा ति रि कि ट धा तत् |
७

५५ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा धा कि ट त क
१ ३
धा ती ना घि ड न ग ता ता कि ट त क ता कि ट
+
त क ता धा कि ट त क धा ती ना घि ड न ग |
७

५६ धा धा कि ट त क धा कि ट त क धा कि ट त क
१
धा धा ती ना ता ता कि ट त क धा कि ट त क धा
+ ७
कि ट त क धा धा ती ना |

५७ धि न गि घि न क धि न धा धी न ति रि कि ट तु ना
१ २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ट ता गि ति रि कि ट धि न न क धि न गि घि न क ।
\+ ७

५८ धीं धि न न क धीं धि न न क धि न न क ति न कि न
० १ ३ +

न क ति न कि न न क धि न न क ।
७

५९ तक् घि डान् ऽ दि ग न ग धीं घि ड न ग ति रि
१ ३

कि ट धा ग ना ग ति न गि न तक् कि ट धा ग ऽ
\+

त कि ट धा ग न ग धेत् घि ड न ग त कि ट त कि ट
७

धा गि ति ट घि न घि ड न ग ।

६० तत् धि रि कि ट त क धा ऽ धा ती ना घि ड न ग
० १ ३

ति रि कि ट त क ता ऽ धा ती ना घि ड न ग तक्
\+

घि ड न ग त क ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट ।
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६१ धा गी ऽ न धा धा ऽ धा दिं ऽ ग न धा धा धा कि ट
१ ३

त क धा धा ती ना ता कि ऽ न ता ता ऽ ता दिं ऽ
+

ग न धा धा धा कि ट त क धा धा ती ना |
७

६२ घि ड न ग ति ट धा गि ति ट घि ड न ग धा गि
१

तु ना घि ड न ग ति ट धा गि धा गि ती ट कि ड न ग
२ +

ति ट ता गि ति ट घि ड न ग धा गि तू ना घि ड न ग
७

ति ट धा गि धा गि ति ट |

६३ तक् धि रि कि ट घि ड न ग ति रि कि ट तक् कि ट
० ३

त क धा धा ती ना तक् ति रि कि ट कि ड न ग
+

ति रि कि ट तक् कि ट त क धा धा ती ना |
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६४ धा गि ति ट धा गि ती ट धा गि धा गि तु ना कि ट
१ ३

त क ता गि ती ट ता गि ती ट धा गि धा गि तु ना
\+ ७

कि ट त क।

६५ ति ट धा गि कि ट त क तु ना धा गि ति ट धा गि ति ट
१ ३

ति ट ता गि कि ट त क तु ना धा गि ती ट धा गि ती ट।
\+ ७

६६ धि रि कि ट त क धा ऽ त धा ति रि कि ट धि कि ट
१ ३

घि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क ति रि
\+

कि ट त क धि रि कि ट त क न ग धि रि कि ट त क।
७

६७ धा धा ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क धि ड न ग
१ ३

ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट ता ता ति रि कि ट
\+

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त क धि रि कि ट त क घि ड न ग ति रि कि ट
७
त क ता ति रि कि ट।

६८ धि रि धि रि घि ड न ग ता धि रि धि रि घि ड न ग
१ २
ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क ति रि ति रि
+
कि ड न ग ता ति रि ति रि घि ड न ग ति रि कि ट
७
त क धि रि कि ट त क।

६९ धा धा ति रि कि ट त क धि रि धि रि घि ड न ग
१ २
ति रि कि ट त क ता ति रि कि ट ता ता ति रि कि ट
+
त क धि रि धि रि घि ड न ग ति रि कि ट त क
७
ता ति रि कि ट।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७० त क धि रि कि ट घि ड न ग ति रि कि ट त क
१

कि ट त क धा धा ती ना कि ट त क त क ति रि
२ +

कि ट घि ड न ग ति रि कि ट त क कि ट त क
०

धा धा ती ना कि ट त क |

७१ कि ड धा कि ट धा गि ती ट धी ना ऽ धा तृ क धी न
१ २

कि ड ता कि ट धा गि ती ट धी ना ऽ धा तृ क धी न |
+ ०

७२ धा ति रि घि ड न ग ति रि कि ट त क ता धी न
१ २

तृ क धी न धि न ता ति रि कि ड न ग ति रि कि ट
+

त क ता धी न तृ क धि न गि न |
०

७३ धा गी ती ट धी ना ऽ धा तृ क घि न घि न त क
१ २

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ता गि ती ट धी ना ऽ धा तृ क धि न घि न त क |
\+ ७

७४ धि न घि न त क धि ना ऽ धा तृ क धि न गि न
१ ३

ति न गि न त क धी ना ऽ घा तृ क धी न गि न |
\+ ७

७५ धा तृ क धि कि ट त क धी ना ऽ धा तृ क धी न
१ ३

ता तृ क ति कि ट त क धी ना ऽ धा तृ क धी न |
\+ ७

७६ धा धा कि ट त क धा धा ती ना धा कि ट त क
१ ३

धी न धा कि ट त क ता ता कि ट त क ता ता ती ना
\+

धा कि ट त क धी न धा कि ट त क |
७

७७ घि न धा घि न धा घि न धा धा घि न धा गि न धा
१ ३ +

ऽ घा तू ना कि ड न ग ति रि कि ट त क ता ति रि
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कि ट | त क धा त कि ट धि कि ट त क धिं रि कि ट
१ ३

ति रि किं ट न ग धेत् घि डा ऽ न धा धा दिं ग न
\+

धा दिं ग न धा किं ड न ग ति रि कि ट | धा तिं ऽ
७ १

ना कत् कि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट
३

त क धा ग दि ग न धा कि ड न ग ति रि कि ट
\+

त क धि रि कि ट त क धा ग दि ग न |
७

७८ धा ती ना धा ति रि कि ट धा ति रि कि ट घि ड न ग
३

त क धा ती ना ता ती ना धा ति रि कि ट धा ति रि
\+ ७

कि ट घि ड न ग त क धा ती ना |

७९ धी ट धी ट कि ड धा क्डान् धा धा कि ट त क
१ ३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धा धा ती ना ती ट ती ट कि ड धा कड़ान् धा धा
+ ७

कि ट त क धा धा ती ना |

८० कि ड धेत् ऽ ता गि घि ती ट धी ट ति ट धा कि ट
१ ३

कि ड धे ऽ त्ता कि कि ती ट धी ट ती ट धा कि ट |
+ ७

८१ घि न ती ट घि न धा कि ड न ग तू ना न ग धि रि
१ ३

कि ट त क कि न ति ट कि न ता कि ड न ग तु ना
+ ७

न ग धि रि कि ट त क |

८२ धि रि कि ट तक् घि ड न ग तक् धि रि कि ट घि ड
१ ३

न ग ति रि कि ट तक् घि ड न ग तक् धि रि कि ट
+ ७

घि ड न ग |

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८३ घि ड न ग घि ड न ग धा धा कि ट त क धा धा ती ना
१ ३
कि ड न ग कि ड न ग धा धा कि ट त क धा धा ती ना |
+ ७

८४ धि रि कि ट त क धे ऽ ता धा गि ती ट धा गि तू ना
१ ३
कि ट त क ति रि कि ट त क धे ऽ ता धा गि ती ट
+ ७
धा गि तू ना कि ट त क |

८५ धि रि कि ट घि ड न ग न ग त क धि रि कि ट त क
१ ३
धा तू ना घि ड न ग ति रि कि ट ति रि कि ट कि ड
+
न ग न ग त क धि रि कि ट त क धा तू ना घि ड
७
न ग ति रि कि ट |

८६ धा धेत् ऽ धेत् धा धीं धा गि ति रि कि ट धे त्ता ता तेत्
१ ३ +

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऽ तेत् ता धीं धा गि ति रि कि ट धे त्ता |

८७ धा धा धीं धीं धा धीं धीं धा गि ति रि कि ट तु ना

क् त्ता धि रि कि ट धा गि ति रि कि ट |

८८ क त्र क धि न घि न धि क त्र क धि ना गि घि क त्र

क ति न गि न ती क त्र क धी ना गि घि |

मोहरे खालीसे

८९ धा ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क घि ड न ग

ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क |

९० ती ना घि ड न ग ति रि कि ट त क धि रि कि ट

त क ति रि कि ट त क धि रि कि ट त क |

९१ ऽ धा ती ना घि ड न ग तक् घि ड न ग त क ति रि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क्ड़ि ट त क ता ति रि कि ट।

१२ कि ड न ग ति रि कि ट न ग धि रि कि ट त क
\+
धी ट धा गी न धा कि ट त क।
१७

मोहरे समसे

१३ घि ड न ग तु ना घि ड न ग तु ना घि ड न ग ति ट
१ २
धा गि तु ना घि ड न ग घि ड न ग कि ड न ग
\+
तु ना कि ड न ग धा कि ड न ग धा कि ड न ग।
७

१४ धी ऽ ग धी धागू ऽ धा गि न धा धा गि ति रि कि ट
१ ३
धि न धा ग धी कि ड न ग ति रि कि ट तु ना कि ड
\+
न ग ति ट घि ना ऽ त गि न धा गि न धा गि न।
७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१५ किडधेऽताघिडनगधाधातिरिकिटधा
१ ३

तिरिकिटधाक्डान्धाधाधाक्डान्धाधाधा
+ ७

क्डान्धाधा|

सितार ! तम्बूरा !! दिलरुबा !!!

हमारे यहां हर तरह के तंतूवाद्य सितार, दिलरुबा, तम्बूरा, बीन और इसराज आदि उचित मूल्यपर मिलते है। सब प्रकारके वाद्योंकी मरम्मत भी की जाती है।

मूल्य आदि जाननेके लिए निम्न पते पर पत्र लिखें:—

मे. सिराज यूसफ,
सितार मेकर,
गांधी रोड, पो. मिरज
(s.m.c)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi